केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 37 गुरूवार 29 अगस्त 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पूर्व आई.एस. लक्ष्मीकान्त शुक्ल के 7 वीं पुण्य तिथि पर गोष्ठी 29 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मेधा पार्टी द्वारा संस्थापक अध्यक्ष पूर्व आई.एस. लक्ष्मीकान्त शुक्ल के 7 वीं पुण्य तिथि पर 29 अगस्त गुरूवार को प्रेस क्लब सभागार में संगोष्ठी का आयोजन किया गया है।

यह जानकारी देते हुये मेधा के केन्द्रीय प्रवक्ता दीनदयाल तिवारी ने बताया कि पूर्व आई.एस. लक्ष्मीकान्त शुक्ल ने शिक्षा, छात्र वृत्ति, शुल्क प्रतिपूर्ति आदि के सवालों को लेकर सवोग्च्च न्यायालय तक संघर्ष किया और विजयी रहे। आज उनके अधूरे संकल्पों को पूरा करने, निजी स्कूलों में आर्थिक शोषण बंद कराने के साथ ही 25 प्रतिशत छात्रों को प्रवेश दिये जाने के सवाल को लेकर मेधा पार्टी 29 से जागरूकता अभियान शुरू करेगी। बताया कि कार्यक्रम में अनेक विशिष्ट जनों को भी आमंत्रित किया गया है।

एंबुलेंस चालक की इलाज के दौरान मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के बरतनिया गांव निवासी एक युवक की मंगलवार की देर रात खलीलाबाद बाईपास के पास अज्ञात ट्रक ने प्राइवेट एंबुलेंस को टक्कर मार दिया जिससे एंबुलेंस चालक की इलाज के दौरान मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लालगंज थाना क्षेत्र के बरतनिया गांव निवासी संतोष यादव उम्र 24 वर्ष पुत्र बाडू यादव खलीलाबाद में एक प्राइवेट अस्पताल में एंबुलेंस चालक था मरीज को लेकर बस्ती आया था। बस्ती से मरीज को छोड़कर खलीलाबाद वापस जा रहा था। कि अभी वह खलीलाबाद बाईपास के पास ही पहुंचा था। कि अनियंत्रित अज्ञात ट्रक से टक्कर हो गई। जिससे संतोष गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों द्वारा घायल को एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल खलीलाबाद भेजा गया। जहां पर इलाज के दौरान संतोष की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस द्वारा परिवार को जानकारी दी गई।

संतोष दो भाइयों में छोटा था। संतोष की मौत से पूरा परिवार का रो–रो कर बुरा हाल है।

धरने को लेकर शिक्षा मित्रों ने बनाई रणनीति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ब्लॉक संसाधन केंद्र हरैया के सभागार में बुधवार को शिक्षामित्रों ने बैठक किया। जिसमें आगामी 5 सितंबर से शुरू होने वाले लखनऊ धरने को लेकर रणनीति बनाई गई। बैठक को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के प्रदेश कोषाध्यक्ष रमेश चन्द्र मिश्र ने कहा कि शिक्षामित्रों की मांगों को लेकर 5 सितंबर से राजधानी लखनऊ में अनिश्चितकालीन विशाल धरना प्रदर्शन का आयोजन किया जा रहा है जो स्थाई समाधान होने तक जारी रहेगा। उन्होंने सरकार से मांग किया कि नियमावली में संशोधन कर शिक्षामित्रों को योग्यता पूर्ण कराकर पुनः समायोजित, नियमित किया जाए। पूरे 12 माह 62 वर्ष की सेवा सुरक्षित करते हुए सम्मानजनक वेतन दिया जाए। मृतक शिक्षामित्रों के परिजनों को जीवकोपार्जन हेतु नियुक्ति प्रदान किया जाए। टीईटी पास शिक्षामित्रों को नियमों में शिथिलता देते हुए सहायक अध्यापक पद पर नियमित किया जाए। शिक्षामित्रों को पुनः एक अवसर देते हुए अपने मूल विद्यालय पर वापस किया जाए तथा महिला शिक्षामित्रों का विवाहोपरांत उनके ससुराल के जनपद में स्थानांतरण किया जाय। बैठक को ब्लाक अध्यक्ष शिव शंकर साहू, महामंत्री कृपानंद तथा कोषाध्यक्ष जयशंकर पाण्डेय ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर ऋषिकांत तिवारी, सुरेश पाण्डेय, अमित विक्रम सिंह, पुष्पा पाठक, अंजू सिंह, सुषमा देवी, नीलम देवी, नीतू सिंह, पुष्पा देवी सहित सैकड़ो की संख्या में शिक्षामित्र उपस्थित रहे।

ठेकेदार जाएंगे जेल, इंजीनियर होंगे निलम्बित–योगी

लखनऊ (आभा)। यूपी में हर घर नल से जल योजना में लापरवाही पर सूबे की योगी सरकार सख्त हो गई है। पाइपलाइन बिछाने के लिए काटी गई सड़कों की मरम्मत न करने वाले और नल कनेक्शन की गलत रिपोर्टिंग करने वाली एजेंसियों के खिलाफ ब्लैकलिस्टिंग और कॉन्ट्रैक्टर को जेल भेजा जाएगा। इसके साथ ही संबंधित अधिशासी अभियंता के खिलाफ सस्पेंशन की कार्रवाई होगी।

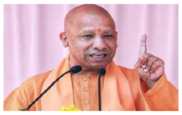

प्रदेश के कई जिलों से पाइपलाइन बिछाने के बाद एजेंसी द्वारा सड़क की मरम्मत न करने की आ रही शिकायतों को देखते हुए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ऐसे कॉन्ट्रैक्टर और एजेंसियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है।

नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने ऐसी सभी एजेंसियों और अधिशासी अभियंता के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक को दिए हैं। इसके बाद मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव ने इस बाबत जल निगम ग्रामीण के सभी अधिशासी अभियंताओं और जल जीवन मिशन के सभी कॉन्ट्रैक्टर को पत्र लिखकर नवरात्रि से पहले सभी सड़कों को दुरूस्त करने और कनेक्शन वाले गांवों में नियमित जलापूर्ति करने को कहा है।

अधिशासी निदेशक की तरफ से लिखे गए पत्र में सभी अधिशासी अभियंताओं और कॉन्ट्रैक्टर को निर्देशित किया गया है कि शारदीय नवरात्रि यानि 3 अक्टूबर से पहले पाइपलाइन बिछाने के लिए काटी गई सड़कों की मरम्मत और रेस्टोरेशन का काम पूरा कर लिया जाए।

कैंसर के उपचार के लिये दिया आर्थिक सहायता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती, ।नगर पंचायत नगर के कैंसर पीड़ित राजेंद्र प्रसाद मिश्रा के उपचार हेतु योगी सरकार ने दो लाख पचास हजार रूपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान किया है। 70 वर्षीय श्री मिश्रा नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम सिंह राना से उनके कार्यालय स्थित जनता दर्शन में मिलकर अपने दवा में सहयोग के लिए आग्रह किया था। उक्त जानकारी देते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने बताया कि नगर पंचायत के भैरोपुर निवासी कैंसर पीड़ित श्री मिश्रा का इलाज लखनऊ के समर्पण अस्पताल में मुंह के कैंसर का इलाज चल रहा था। धनाभाव में उनकी कीमोथेपेरपी और दवा नही हो पा रही थी। उन्होंने बताया कि तत्काल नगर पंचायत अध्यक्ष विवेकाधीन कोष से आर्थिक सहायता देकर इनको लखनऊ भेज डॉक्टर से परामर्श लिया गया। अस्पताल प्रशासन ने कीमोथेरेपी और दवा के लिए पांच लाख रुपए व्यय का विवरण दिया। ऐसे में उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इनकी दयनीय और गंभीर स्थिति को देखते हुए आर्थिक मदद की अपील किया था। सरकार द्वारा कल मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से दो लाख पचास हजार रूपए की आर्थिक सहायता राशि समर्पण अस्पताल लखनऊ को भेज दी गई है।

श्रीमती राना में कहा है कि आदर्श नगर पंचायत नगर में आर्थिक अभाव में किसी का उपचार नही बंद होने पाएगा। प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष और नगर पंचायत अध्यक्ष विवेकाधीन कोष से यथा सम्भव मदद किया जाएगा।

भाजपा ने विकास के रास्ते बंद कर दिये: देश प्रदेश बचाने के लिये आगे आये युवा–सिद्धार्थ सिंह

–387 लोगों ने लिया सपा की सदस्यता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व राज्य मंत्री सिद्धार्थ सिंह ने बुधवार को हर्रैया और चिलमा बाजार में आयोजित कार्यक्रमों में 387 से अधिक लोगों को सपा की प्राथमिक सदस्यता दिलायी। इस दौरान उन्होंने सपा नेताओं, युवा संगठनों के पदाधिकारियों और उपस्थित लोगों का आवाहन किया कि संविधान और आरक्षण बचाने के संघर्ष में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आवाहन पर परिवर्तन के साथ चले। पूर्व मंत्री सिद्धार्थ सिंह ने कहा कि प्रदेश में दिन–प्रतिदिन बढ़ता भ्रष्टाचार और अपराध चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि हत्याएं, लूट, डकैती, और महिलाओं के साथ बलात्कार जैसी घटनाएं आम हो गई हैं, और सरकार इन समस्याओं को हल करने में विफल रही है।

भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए सिद्धार्थ सिंह ने कहा कि प्रदेश में विकास के सारे रास्ते बंद कर दिए गये हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बुलडोजर का उपयोग कर गरीबों के आशियाने उजाड़ रही है और उन्हें बेघर कर रही है। कहा कि भाजपा सरकार ने नौजवानों को रोजगार के नाम पर धोखा दिया है। भाजपा सरकार संविधान और आरक्षण पर हमला कर रही है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए हमेशा आगे रहे हैं।

हर्रैया में विधानसभाध्यक्ष अरविन्द यादव, चिलमा में विधानसभाध्यक्ष कप्तानगंज रन बहादुर यादव के संयोजन में आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। ब्लॉक अध्यक्ष रोहिताश सिंह नीलू , राष्ट्रीय सचिव प्रेमचंद सोनी ,विजय बहादुर वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष कौशलेंद्र प्रताप सिंह 'राजू दिलीप पाण्डेय, मोहम्मद स्वाले, गुलाम गौस, प्रकाश गुप्ता, अभिषेक सिंह, सगल चौहान, अनुराग , दानिश सिद्दीकी, सत्य प्रकाश गौतम, जीतू कन्नौजिया, अली हुसैन, ब्रह्मानंद, विनीत पांडे, राकेश सिंह,सत्येंद्र तिवारी, अतुल तिवारी,रामू यादव,उदय प्रताप ,अंकित सिंह,राज किशोर सिंह, सुनील सिंह, राजेंद्र यादव, अमन सिंह,दीपांकर सिंह, सूरज कुमार, बलजीत यादव, प्रिंस यादव,बिजली बाबा, आकाश ,बृजेश प्रेमी, करन सिंह, आदित्य सिंह, अतुल ,शिखर सिंह ,रोहित सिंह ,नीरज कुमार, बलवीर सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

समायोजन की मांग को लेकर शिक्षा मित्रों का अनिश्चितकालीन धरना 5 से

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को आदर्श समायोजित शिक्षक, शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक जिलाध्यक्ष राम पराग चौधरी की अध्यक्षता में बनकटी बी.आर.सी. केन्द्र पर सम्पन्न हुई। बैठक में शिक्षा मित्रों के समायोजन, तत्काल प्रभाव से मानदेय बढाये जाने आदि की विचार करने के साथ ही निर्णय लिया गया कि प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर 5 सितम्बर शिक्षक दिवस से राजधानी लखनऊ में आयोजित अनिश्चितकालीन धरने में बस्ती के शिक्षा मित्रों की निर्णायक भागीदारी होगी। शिक्षा मित्र अपने–अपने साधनों से लखनऊ पहुंचेंगे और तब तक डटे रहेंगे जब तक कि सरकार समुचित निर्णय नहीं ले लेती।

बैठक को सम्बोधित करते हुये एसोसिएशन जिलाध्यक्ष राम पराग चौधरी ने कहा कि शिक्षा मित्रों के समक्ष करो या मरो की स्थिति है। अभी चूके तो जीवन बरबाद हो जायेगा। वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं बनकटी ब्लाक अध्यक्ष राघवेन्द्र प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि एक लाख अड़तालीस हजार शिक्षा मित्र 23 वर्षों से निरंतर निष्ठा पूर्वक शिक्षण कार्य कर रहे है। 25 जुलाई 2017 के सुप्रीम कोर्ट निर्णय के उपरान्त शिक्षा मित्रों के समक्ष उनकी परिवार के भरण पोषण का संकट खड़ा हो गया है। इन्हीं परिस्थितियों के चलते लगभग आठ हजार शिक्षा मित्रों की आकस्मिक मृत्यु हो चुकी है। 8 वर्षों से शिक्षा मित्र निरंतर मूल भूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए संघर्ष कर रहे है। समस्याओं के समाधान के लिये एकजुट होकर संघर्ष करना होगा।

बैठक में मुख्य रूप से भोला प्रसाद शुक्ल, वीरेन्द्र कुमार शुक्ल , राकेश उपाध्याय,राज नारायण, पंचानन पाल, रामधनी चौधरी, अजीत कुमार चौधरी, नरेन्द्र शुक्ल, पवन चौधरी, जगदीश प्रसाद चौधरी, तीर्थराज यादव, अर्चना यादव, पूनम पाण्डेय, अशोक विश्वकर्मा, प्रमोद कुमार चौधरी, हरेन्द्र यादव, निशा यादव, वंदना चौधरी, माया देवी , सीमा पाठक , राजा राम यादव, चंद्र भान चौधरी के साथ ही अनेक शिक्षा मित्र एवं एसोसिएशन पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शराब का अधिक दाम लेने का विरोध किया तो सेल्समैन ने मारा पीटा

–पीड़ित ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शराब की दूकान पर निर्धारित दर से अधिक रूपया मांगने पर हुये विवाद के दौरान सेल्समैन और उसके साथियों ने उपभोक्ता को मारा पीटा। इस सम्बन्ध में पीडित सोनहा थाना क्षेत्र के कुतुबपुर निवासी मुन्जेश शर्मा पुत्र उदयराज ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक, आबकारी अधिकारी के साथ ही सम्बंधित अधिकारियों को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है।

पत्र में मुन्जेश शर्मा ने कहा है कि गत 26 अगस्त को वह सोनहा थाना क्षेत्र के छपियाखास स्थित अंग्रेजी शराब की दूकान पर शराब खरीदा तो निर्धारित दर से 10 रूपया ज्यादा मांगा जाने लगा। विरोध करने पर सेल्समैन किशोर जायसवाल और बजरंगी जायसवाल के पुत्र मनीष जायसवाल ने मुन्जेश शर्मा को बुरी तरह से मारा पीटा, उसके सिर पर प्राण घातक हमला किया गया। स्थानीय लोगों के आ जाने से किसी तरह से उसकी जान बची। मुन्जेश शर्मा सूचना देने सोनहा थाने पर पहुंचा तो उसकी कोई सुनवाई नहीं की गई।

सोनहा थाना क्षेत्र के कुतुबपुर निवासी मुन्जेश शर्मा ने पुलिस अधीक्षक और उच्चाधिकारियों से मांग किया है कि दोषी सेल्समैन किशोर जायसवाल और बजरंगी जायसवाल के पुत्र मनीष जायसवाल आदि पर मुकदमा दर्ज कराने के साथ ही उसके जान माल की रक्षा सुनिश्चित कराया जाय। उक्त लोग काफी दबंग है और किसी भी प्रकार की घटना को अन्जाम दे सकते हैं।

अधूरी जानकारी देने वाले अधिकारियों पर होगी कड़ी कार्यवाही–मण्डलायुक्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। 50 लाख रूपये एवं उससे अधिक की निर्माण कार्यो की समीक्षा (सड़को को छोड़कर) करते हुए मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने निर्देश दिया कि परियोजनाओं के संबंध में अधूरी जानकारी/गलत रिपोर्ट फीडिंग कराने वाले नोडल अधिकारियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेंगी। आयुक्त सभागार में आयोजित मण्डलीय बैठक को सम्बोधित करते हुए उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशन में डिप्टी सी.एम. द्वारा परियोजनाओं के संबंध में मण्डलों में नोडल के माध्यम से संज्ञान लिया जा रहा है। अधिकारीगण विशेष सतर्कता बरतते हुए निर्धारित समय में परियोजनाओं को पूर्ण करायें।

अनारम्भ परियोजनाओं को यथाशीघ्र शुरू करायें।

समीक्षा में उन्होने पाया कि मण्डल में कुल 501 परियाजनाओं/कार्यो के सापेक्ष 123 परियोजनाए पूर्ण कर ली गयी है। इस पर असंतोष व्यक्त करते हुए उन्होने कहा कि भौतिक प्रगति की यह स्थिति ठीक नही है। इस संबंध में उन्होने कार्यदायी संस्था के अधिकारीगण को निर्देषित किया कि निर्धारित समय में लक्षय ना पूरा करने पर कड़ी कार्यवाही की जायेंगी।

उन्होने खराब प्रगति वाली कार्यदायी संस्था यूपी सिडको, सेतु निगम, आवास–विकास परिषद के अधिकारी को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि शीघ्र ही कार्य में प्रगति ना दिखायी देने पर उच्च स्तर पर विभागीय कार्यवाही हेतु पत्राचार किया जायेंगा। बैठक का संचालन करते हुए उप निदेशक अर्थ एवं संख्या अमजद अली अंसारी ने बताया कि जनपद बस्ती के सभी कस्तूरबॉ बालिका विद्यालय के भवन को कार्यदायी संस्था द्वारा हैण्डओवर कर दिया गया है। उन्होने बताया कि पुलिस से संबंधित थाना गौर में भूमि विवाद के निस्तारण में कार्यवाही की गयी है, शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू कराया जायेंगा।

बैठक में सीडीओ जयदेव सी. एस., जयेन्द्र कुमार, जयकेश त्रिपाठी, संयुक्त कृषि निदेषक अविनाश चन्द्र तिवारी, एएसपी ओम प्रकाश सिंह, डीएचओ अरूण कुमार तिवारी, डीडी अल्पसंख्यक प्रियंका अवस्थी, संयुक्त निदेशक स्वास्थ्य डा. विनीता राय, एसी विद्युत सहित कार्यदायी संस्था के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

मदरसे में चल रहा था नकली नोट बनाने का खेल, मौलवी समेत चार गिरफ्तार

प्रयागराज (आभा)। प्रयागराज में मदरसा जामिया हबीबिया में नकली नोट बनाए जाने की फैक्ट्री संचालित हो रही थी। पुलिस ने छापा मारकर मौलवी समेत चार लोगों को गिरफ्पुतार कर लिया। साथ ही मौके से 1300 रुपये नकली नोटों की करेंसी पकड़ी। इसी मदरसे से नकली करेंस बनाए जाने की फैक्ट्री को संचालित किया जा रहा था। इस काम में मदरसे का मौलवी भी शामिल था। पुलिस ने छापा मारकर मौलवी समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। इसके बाद पुलिस ने मौके से नकली नोट बनाए जाने की सामग्री भी पकड़ी है। पूरा मामला प्रयागराज जिले का है। जानकारी के अनुसार शहर के मदरसा जामिया हबीबिया में नकली नोट बनाए जाने की फैक्ट्री संचालित हो रही थी। पुलिस–प्रशासन को जब इसकी खबर लगी तो शहर में हड़कंप मच गया। आनन–फानन में पुलिस ने एक टीम बनाई और मदरसे पर छापा मारा। पुलिस ने मौके से 1300 रुपये नकली नोटों की करेंसी पकड़ी। साथ ही पुलिस ने मौलवी तफसीरूल समेत चार युवकों को भी गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बताया कि पिछले तीन महीने से मदरसे में नकली नोट बनाए जाने का खेल चल रहा था। गिरफ्तार मौलवी ने उड़ीसा के रहने वाले जाहिर खान को मदरसे में किराए पर कमरा दे रखा था। वही नकली नोटों की फैक्ट्री संचालित कर रहा था। गिरफ्तार किए गए लोगों ने पुलिस को बताया कि 15 हजार के बदलते 45 हजार के नकली नोट दिए जाते थे। गिरफ्तार मौलवी जाहिर खान के साथ शेयर होल्डर था। पुलिस पूछताछ में ये भी पता चला है कि बाजार में नकली नोट को सप्लाई करने के लिए प्रयागराज जिले के करैली निवासी मोहम्मद अफजल और मोहम्मद शाहिद को लगाया गया था। नकली नोटों की फैक्ट्री का भंडाफोड़ करने के बाद पुलिस ने बताया कि बाजार में लाखों की संख्या में नकली नोटों को खपाया जा चुका है। पुलिस को मदरसे से नकली नोट बनाए जाने में इस्तेमाल स्कैनर, प्रिंटर और कागज के अलावा अन्य उपकरण भी मिले हैं। पुलिस गिरफ्तार लोगों से उनकी सरगना की पूछताछ कर रही है।

सफाई कर्मियों ने धरना दैकर डी.पी.आर.ओ. को सौंपा 12 सूत्रीय ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बुधवार को उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ पदाधिकारियों, सदस्यों ने जिलाध्यक्ष अजय कुमार आर्य के नेतृत्व में विकास भवन कार्यालय के समक्ष 12 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना दिया। धरने के बाद राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल, मंत्री तौलू प्रसाद के साथ ही संघ पदाधिकारियों की उपस्थिति में जिला पंचायत राज अधिकारी रतन कुमार को 12 सूत्रीय मांग पत्र सौपा। डी.पी.आर.ओ. ने ज्ञापन लेने के बाद आश्वासन दिया कि चरणबद्ध ढंग से समस्याओं का प्रभावी निस्तारण कराया जायेगा। इसके बाद धरने को स्थगित कर दिया गया।

डी.पी.आर.ओ. को सौंपे ज्ञापन सफाई कर्मियों की ऑन लाइन उपस्थिति न कराये जाने, वर्षो से जिला मुख्यालय और ब्लाक मुख्यालयों पर तैनात सफाई कर्मियों को उनके मूल तैनाती स्थल पर भेजे जाने, सफाई कर्मचारियों को सफाई उपकरण किट दिये जाने, महिला सफाई कर्मियों की नियुक्ति तैनाती स्थल से 5 किलोमीटर के दायरे में किये जाने, सामूहिक टीम में डियूटी से मुक्त किये जाने, वंचित सफाई कर्मियों की एसीपी लगाये जाने, दिव्यांग कर्मचारियों को दिव्यांग भत्ता दिये जाने आदि की मांगे शामिल है।

धरने को सम्बोधित करते हुये जिलाध्यक्ष अजय कुमार आर्य ने कहा कि जिस प्रकार से सफाई कर्मियों ने धरने में एकजुटता दिखायी है उससे ताकत बढा है। उत्पीड़न को किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। कहा कि संघ सफाई कर्मचारियों की समस्याओं के हल के लिये प्रतिबद्ध है और मांगों के समर्थन में चरणबद्ध संघर्ष जारी रहेगा। उन्होने एकजुटता बनाये रखने पर जोर दिया। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल ने कहा कि परिषद सफाई कर्मियों के साथ खड़ा है और उनकी जायज मांगों को पूरा कराने की दिशा में पूर्ण समर्थन है। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ जिला मंत्री मनोज कुमार चौहान, जिला कोषाध्यक्ष पेशकार ने कहा कि यदि समय से मांगे न मानी गई तो संघ पुनः आन्दोलन को बाध्य होगा।

धरने में मुख्य रूप से राम कृपाल, अमित चक्रवर्ती, अशोक कुमार दूबे, बलराम यादव, मो. कलीम, भरत राम, बजरंगी, संजय यादव, जाहिद अली, राम बहादुर, असलम अंसारी, महेन्द्र प्रताप, , अतुल कुमार पाण्डेय, मंशाराम, महेन्द्र चौहान, हनुमान प्रसाद, हनुमान शरन, सूर्य प्रकाश पाण्डेय, जितेन्द्र कुमार, कप्तान कुमार, रूदल कुमार, जय प्रकाश, राजेन्द्र मौर्या, राघव प्रसाद, जय सिंह चौधरी, ओम प्रकाश यादव, अशोक चौधरी, रूद्र नरायन उर्फ रूदल, दिनेश कुमार श्रीवास्तव, शिवा कुमार, राजेश कुमार, सुधीर कुमार, मुकेश कुमार यादव के साथ ही संघ पदाधिकारी और सफाईकर्मी शामिल रहे।

परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों ने किया गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों को बंद कराने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह, जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा के आवाहन पर गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को बंद कराये जाने की मांग को लेकर लगातार मुहिम चलाया जा रहा है। तहसील स्तर पर उप जिलाधिकारियों और सम्बंधित अधिकारियों को ज्ञापन देकर गैर मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को बंद कराने के आग्रह के साथ विद्यालयों की सूची भी सौंपा जा रहा है। इसके बावजूद विभागीय स्तर की उदासीनता से परिषदीय शिक्षक हैरान है। बुधवार को बस्ती सदर तहसील के अध्यक्ष उमाकान्त शुक्ल के नेतृत्व में साऊंघाट, बस्ती सदर, कुदरहा, बनकटी और बहादुरपुर के शिक्षकों, संघ पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी सदर को सम्बोधित ज्ञापन उनके विभागीय कर्मचारी को सौंपा। ज्ञापन में कुल 163 गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों की सूची संलग्न कर उन्हें बंद कराये जाने की मांग किया गया है।

–अधिकारी को सौंपा 163 निजी गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों की सूची

संघ जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह, जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने ज्ञापन देने के बाद कहा कि गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों के संचालन के कारण परिषदीय विद्यालयों में छात्र नहीं आते जबकि परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा की उनसे बेहतर व्यवस्था है। निजी स्कूलों में मनमानी फीस के साथ ही प्रति वर्ष किताबों को बदल दिये जाने के शोषण की परम्परा जारी है। इसके बावजूद विभागीय अधिकारी चुप्पी साधे रहते हैं और इसका खामियाजा परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों को भोगना पड़ रहा है। कहा कि यदि बेसिक शिक्षा अधिकारी ने तत्काल प्रभाव से कायवाही शुरू न किया तो चरणबद्ध आन्दोलन को और प्रभावी बनाने के साथ ही मुख्यमंत्री और महानिदेशक स्कूली शिक्षा से कार्यवाही का आग्रह किया जायेगा। कहा कि यह गंभीर विषय है कि आखिर निजी गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को किसका संरक्षण है और खण्ड शिक्षा अधिकारी इस पर मौन क्यों हैं।

पत्र सौंपने वालों में मुख्य रूप से जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव, उपाध्यक्ष सुधीर तिवारी, शिव प्रकाश सिंह, संघ के ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश गौड़, सनद पटेल, राजेश गिरी, अशोक यादव, डा. प्रमोद सिंह, मंत्री मो. असलम, संजय चौधरी, अटल उपाध्याय, बृजेश मिश्र, सन्तोष मिश्र, आशीष दूबे, पंकज मिश्र, प्रवीन श्रीवास्तव, शिवशंकर यादव, चन्द्र प्रताप पाल, अनिल पाठक, विनोद चौधरी, खुर्शीद, शैलेष मणि त्रिपाठी, संजय यादव, कविन्द्रनाथ चौधरी, अमित सिंह आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 29 अगस्त 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

जेल और जमानत का द्वंद

देश में लंबे समय से यह मुद्दा चर्चा में रहा है कि आखिर क्यों जमानत मिलने के बावजूद हजारों विचाराधीन कैदी जेलों में अमानवीय जीवन जीने को अभिशप्त हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि देश की जेलें जरूरत से ज्यादा कैदियों से भरी हुई हैं। जिसमें गरीब व वंचित समाज के लोगों की संख्या ही अधिक है। ऐसे गरीब लोगों की संख्या काफी है, जिनकी कोई जमानत लेने वाला तक नहीं होता। हम न भूलें कि जेलों का मकसद परिस्थितिवश अपराध की गलियों में फिसले लोगों के जीवन में सुधार लाना होता है, सिर्फ दंडित करना ही नहीं। खूंखार व पेशेवर अपराधियों को छोड़ दें, तो विषम हालातों में अपराधों की दुनिया में उतरे लोगों का हृदय परिवर्तन करके एक जिम्मेदार नागरिक बनाना भी जेलों में रखने का मकसद होता है। यही वजह है कि जमानत मिलने के बावजूद जेल के सीखचों के पीछे बंदी जीवन जीने वाले विचाराधीन कैदियों की रिहाई के प्रश्न पर गाहे–बगाहे चिंता व्यक्त की जाती रही है। निस्संदेह, हमारी जेलें कैदियों से खचाखच भरी हैं। उनमें कैदियों की संख्या निर्धारित संख्या से बहुत ज्यादा ही है। एक अनुमान के अनुसार करीब पांच हजार विचाराधीन कैदी जमानत मिलने के बावजूद रिहाई की प्रतीक्षा में हैं। पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने कई निर्देश जारी किए थे। जिसमें अदालतों से बांड और जमानत देने की शर्तों को संशोधित करने पर विचार करने को कहा गया था। शीर्ष अदालत ने इस दिशा में संकेत दिया था कि ऐसे कैदियों की सामाजिक व आर्थिक परिस्थितियों पर एक रिपोर्ट तैयार की जाए। जिससे विचाराधीन कैदियों की रिहाई की शर्तों में ढील दी जा सके। निस्संदेह, बदलते वक्त के साथ एक लोकतांत्रिक देश में न्यायिक व्यवस्था का चेहरा मानवीय बनाने की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही है। वैसे भी न्याय की अवधारणा रही है कि निर्दोष व्यक्ति को किसी भी हालात में अन्याय से बचाया जाना प्राथमिक दायित्व होना चाहिए।

इसी आलोक में शीर्ष अदालत ने एक बार फिर न्यायाधीशों से कहा है कि वे जीवन की कड़वी हकीकत से आंख नहीं मूंद सकते। इसका अवलोकन स्थिति को अधिक स्पष्ट कर सकता है। अदालत का मानना रहा है कि जमानत देना और उसके बाद अत्यधिक शर्तें लगा देना, कुछ ऐसा ही है कि दाहिने हाथ से किसी को कुछ दिया गया, बाएं हाथ से छीन लिया गया। अदालत ने मानवीय दृष्टिकोण को संस्थागत बनाने की जरूरत पर बल दिया है। दरअसल, जमानत एक नियम है और जमानत से इनकार एक अपवाद है। इस बात को शीर्ष अदालत ने हाल के फैसलों में जोरदार तरीके से दोहराया है। यह माना गया कि यदि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के लिये कोई मामला बनता है तो जमानत दी जानी चाहिए। अब चाहे भले ही किसी व्यक्ति का अपराध गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम यानी यूएपीए के तहत ही क्यों न हो। दरअसल, आतंकी कृत्यों को दंडित करने वाले कानूनों को अकसर कठोर कर दिया जाता है। यही वजह कि त्वरित सुनवाई और स्वतंत्रता के हक को पवित्र अधिकार बताते हुए शीर्ष अदालत ने यह कहने से कोई परहेज नहीं किया कि निचली अदालतें और उच्च न्यायालय जमानत देने के मामलों में सुरक्षित दृष्टिकोण अपनाने का प्रयास करते नजर आते हैं। शीर्ष अदालत ने इस बात को लेकर गंभीर चिंता जताई कि देश की न्याय प्रणाली हर स्तर पर देरी से जूझ रही है। यदि 'तारीख पे तारीख' एक पुरानी खामी है तो जमानत मिलने के बाद विचाराधीन कैदियों के जेलों में बंद रहने का पहलू भी यही है। अदालत का मानना रहा है कि देश में जागरूकता और कानूनी साक्षरता की कमी भी इस संकट को बढ़ाने का ही काम कर रही है। निस्संदेह, शीर्ष अदालत का दृष्टिकोण न केवल प्रगतिशील व न्यायपूर्ण है बल्कि देश में व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा और नागरिकों को जागरूक करने के गंभीर मुद्दे की ओर भी ध्यान दिलाता है। शीर्ष अदालत की हालिया संवेदनशील पहल से देश में करोड़ों लंबित मुकदमों के शीघ्र निस्तारण और पीढ़ी–दर–पीढ़ी न्याय की आस में बैठे लोगों को न्याय दिलाने की दिशा में गंभीर पहल की उम्मीद भी जगती है।

अमेरिकी युद्ध उत्पादों का कारोबार

–संथोश मैथ्यू–

.युद्ध निस्संदेह अपार विनाश और पीड़ा लाते हैं, मगर उन्होंने कुछ अमरीकी संस्थाओं के लिए पर्याप्त लाभ भी उत्पन्न किया है, जो संघर्ष और आर्थिक लाभ के एक चक्र को बढ़ावा देता है। अमरीकी सैन्य–औद्योगिक परिसर (द अमेरिकन मिलिट्री–इंडस्ट्रीयल काम्पलैक्स) की जड़ों का पिछले द्वितीय विश्व युद्ध में पता लगाया जा सकता है। युद्ध के प्रयास के लिए संसाधनों की बड़े पैमाने पर लामबंदी ने अमरीका को एक प्रमुख सैन्य शक्ति में बदल दिया, जिसमें एक मजबूत रक्षा उद्योग वैश्विक संघर्ष की मांगों को पूरा करने के लिए उभरा। बोइंग, लॉकहीड मार्टिन, और जनरल डायनामिक्स जैसी कंपनियां युद्ध के प्रयास की अभिन्न अंग हो गईं, एक अभूतपूर्व पैमाने पर विमानों, जहाजों और हथियारों का उत्पादन करते हुए।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भू–राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव हुए। अमरीका और सोवियत संघ के बीच शीत युद्ध ने सैन्य तत्परता की एक स्थायी स्थिति की आवश्यकता पैदा कर दी, जिससे रक्षा में निरंतर सरकारी निवेश हुआ। इस अवधि में एक स्थायी हथियार उद्योग की स्थापना और रक्षा ठेकेदारों के प्रसार को देखा गया, जो अमरीकी अर्थव्यवस्था और राजनीति में सैन्य–औद्योगिक परिसर को आगे बढ़ाता है। यू.एस. वैश्विक जिम्मेदारियों और हितों के साथ एक महाशक्ति के रूप में उभरा, जिसे अक्सर साम्यवाद को काबू करने की आवश्यकता से उचित ठहराया गया। इस नई भूमिका में दुनिया भर में सैन्य ठिकानों को बनाए रखने और विस्तार करने की आवश्यकता थी, जो तैयारियों की निरंतर स्थिति को सुनिश्चित करता है।

कोरियाई युद्ध (1950–1953) शीत युद्ध के युग के पहले महत्वपूर्ण संघर्षों में से एक था, जहां अमरीका एशिया में साम्यवाद के प्रसार पर अंकुश लगाने के लिए सैन्य रूप से लगा हुआ था। इस युद्ध ने एक पैटर्न की शुरुआत को चिह्नित किया, जहां सैन्य संघर्षों, जो अक्सर वैचारिक लड़ाई की आड़ में शुरू किए गए, ने रक्षा उद्योग को बढ़ाने में मदद की। वियतनाम युद्ध (1955–1975) ने इसे और अधिक बढ़ावा दिया, क्योंकि यह अमरीकी इतिहास में सबसे लंबे समय तक चलने वाला और विवादास्पद संघर्षों में से एक बन गया। युद्ध ने रक्षा ठेकेदारों के लिए लेकिन अत्यंत मानवीय पीड़ा और घरेलू उथल–पुथल की कीमत पर विशाल लाभ उत्पन्न किया।

शीत युद्ध का युग – निरंतर संघर्ष और मुनाफाखोरी। शीत युद्ध के दौरान अमरीका ने लैटिन अमेरिका से मध्य–पूर्व तक कई प्रॉक्सी युद्धों और सैन्य हस्तक्षेपों में भाग लिया। क्यूबा मिसाइल संकट, द बे ऑफ पिग्स आक्रमण और दुनिया भर में कम्युनिस्ट विरोधी शासन के लिए समर्थन ने सोवियत प्रभाव से निपटने के लिए अमरीका की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। प्रत्येक संघर्ष ने हथियार प्रौद्योगिकी में बढ़े हुए सैन्य खर्च और नवाचार के लिए एक बहाना प्रदान किया, जिससे रक्षा उद्योग के लिए निरंतर मुनाफा सुनिश्चित हुआ। इस अवधि के दौरान सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रमों में से एक हथियारों के लिए दौड़ थी, जिसकी विशेषता परमाणु हथियारों का तेजी से विकास और भंडार थी। इस अवधि में मिसाइल प्रौद्योगिकी, स्टैल्थ विमान और अन्य परिष्कृत हथियारों में प्रगति भी देखी गई, सभी अमरीकी करदाताओं द्वारा वित्त पोषित। शीत युद्ध के अंत ने सैन्य–औद्योगिक परिसर के प्रभाव को कम नहीं किया। इसकी बजाय, नए खतरे सामने आए और परिसर तदनुसार अनुकूलित हो गया।

खाड़ी युद्ध (1990–1991) ने अमरीका के तकनीकी सैन्य कौशल का प्रदर्शन किया और तेल–समृद्ध मध्य–पूर्व में अपने हितों की रक्षा के लिए देश की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। रक्षा ठेकेदारों ने युद्ध से पर्याप्त मुनाफा कमाया, सटीक–निर्देशित युद्ध–सामग्री से लेकर उन्नत कॉम्बैट सिस्टम तक सब कुछ की आपूर्ति की। 11 सितंबर, 2001 के हमलों ने आतंक पर युद्ध की शुरुआत को चिह्नित किया, एक लंबे समय तक चलने वाला संघर्ष, जिसने अमरीकी विदेश नीति पर सैन्य–औद्योगिक परिसर की पकड़ को मजबूत किया। अफगानिस्तान और इराक पर आक्रमणों के परिणामस्वरूप रक्षा खर्च में नाटकीय वृद्धि हुई, जिसमें हॉलिबर्टन और ब्लैकवाटर (अब एकैडमी) जैसी कंपनियों ने पुनर्निर्माण और सुरक्षा सेवाओं के लिए आकर्षक अनुबंध हासिल किए। हाल के वर्षों में, सैन्य–औद्योगिक परिसर मध्य पूर्व में चल रहे संघर्षों, रूस और चीन के साथ बढ़ते तनाव और आतंकवाद पर वैश्विक युद्ध से प्रेरित है।

अमरीकी रक्षा बजट दुनिया में सबसे बड़ा बना हुआ है, जिसमें अगली पीढ़ी की हथियार प्रणालियों को विकसित करने और सैन्य ठिकानों के एक विशाल नैटवर्क को बनाए रखने के लिए पर्याप्त धन आबंटित किया गया है। अमरीकी समर्थन के साथ, ईरान में इसराईल द्वारा फिलिस्तीन के पूर्व प्रधानमंत्री और हमास के प्रमुख इस्माइल हानेह की हालिया हत्या, सैन्य–औद्योगिक परिसर के स्थायी प्रभाव को रेखांकित करती है। ये कार्रवाइयां और इस क्षेत्र में बाद के अमरीकी सैन्य बिल्डअप, यह उदाहरण देते हैं कि कैसे भू–राजनीतिक युद्धाभ्यास अक्सर दोहरे उद्देश्यों की सेवा करते हैं–रणनीतिक हितों को आगे बढ़ाना और रक्षा उद्योग के लिए निरंतर लाभ सुनिश्चित करना।

लेटरल एंट्री पर गरमाई राजनीति

–पूनम आई. कौशिश–

आरक्षण राशन तमाशा फिर से राजनीतिक थाली में परोस दिया गया है क्योंकि हमारे नेता अपना वोट बैंक हासिल करने के लिए लोकलुभावन हो–हल्ला मचाना जारी रखते हैं, जो नौकरशाही में पार्श्व प्रवेश (लेटरल एंट्री) की एक बड़ी चुनौती बन गया और राजनीतिक तू–तू मैं–मैं का शिकार हो गया। कोटा के चश्मे के माध्यम से राजनीतिक लड़ाई में अच्छी नीतियों के नुकसान होने का एक क्लासिक मामला। प्रासंगिक रूप से, यू.पी. एस.सी. ने 18 अगस्त को अनुबंध के आधार पर या प्रतिनियुक्ति के जरिए पार्श्व प्रवेश के माध्यम से 24 केंद्रीय मंत्रालयों में कई भूमिकाओं के लिए 45 पदों का विज्ञापन दिया। इनमें 10 संयुक्त सचिव और 35 निदेशकध उप सचिव के पद शामिल थे। जाहिर तौर पर इसने विपक्ष के साथ–साथ भाजपा के सहयोगियों (जद (यू), लोजपा) को भी परेशान किया, जिनका कहना था कि भाजपा को आरक्षण के मुद्दे ने काफी नुकसान पहुंचाया, जैसा कि हालिया लोकसभा चुनावों में स्पष्ट हुआ।

इससे पार्टी को अहसास हो गया कि आरक्षण अपने आप में चुनावी दृष्टि से अति संवेदनशील मुद्दा है, इसलिए उसने अपना रुख बदल लिया। दिलचस्प बात यह है कि जब कांग्रेस के राहुल गांधी आरक्षण को छोटा करने और सरकारी नौकरियों में एस.सी., एस.टी., ओ.बी.सी. आरक्षण को छीनने के लिए एक 'राष्ट्र–विरोधी कदम' के रूप में लेटरल एंट्री की आलोचना कर रहे हैं, तो वह यह आसानी से भूल गए कि उनकी यू.पी.ए. सरकार ने ही लेटरल एंट्री की अवधारणा विकसित की थी और 2005 में वीरप्पा मोइली की अध्यक्षता में दूसरा प्रशासनिक सुधार आयोग (ए.आर.सी.) स्थापित किया था। वास्तव में, इसका सबसे बड़ा उदाहरण पूर्व वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह थे, जो 'बाहरी विशेषज्ञ' थे। इसी तरह इंफोसिस के पूर्व प्रमुख नंदन नीलेकणि भी हैं, जिन्होंने आधार की अगुवाई की। इसके अलावा, सिंह के कार्यकाल के दौरान ऊर्जा मंत्रालय ने नामांकन के आधार पर एक प्रमुख औद्योगिक घराने की पृष्ठभूमि वाले एक वरिष्ठ अधिकारी को नियुक्त किया।

छठे वेतन आयोग 2013, नीति आयोग 2017 ने भी इसे दोहराया, जिसमें मध्यम और वरिष्ठ प्रबंधन स्तर पर अधिकारियों को 3 साल के अनुबंध पर शामिल करने का समर्थन किया गया, जिसे बढ़ाकर 5 साल किया जा सकता था, जो तब तक केवल आई.ए.एस. और केंद्रीय सिविल सेवाओं के नौकरशाह ही करते थे। 2019 में 6,077 संयुक्त सचिव आवेदनों में से 9 को 9 मंत्रालयों में नियुक्त किया गया, इसके बाद 2021, 2023 में तीन दौर की नियुक्ति की गई। हाल ही में, सरकार ने राज्यसभा को बताया कि पिछले 5 वर्षों में 63 लेटरल एंट्री नियुक्तियां की गई हैं। वर्तमान में, 57 लेटरल एंट्री केंद्रीय मंत्रालयों में तैनात हैं।

सच है, लेटरल एंट्रीकर्त्ता प्रणालीगत बीमारियों और कमियों के लिए कोई जादुई इलाज नहीं हैं और अधिक मौलिक पुनर्गठन के लिए एक मामला बनाया जा सकता है जो विशिष्ट अवधि के लिए अच्छी तरह से परिभाषित उद्देश्यों के लिए विशेषज्ञता और विशेषज्ञता के अंतराल को भरने में मदद कर सकता है। यू.एस., यू.के. जैसे विकसित देश नियमित रूप से सरकार के बाहर से विशेषज्ञों को नियुक्त करते हैं। हमारे नेताओं को पहचानने की जरूरत है कि असमानताएं मौजूद हैं और उन्हें ठीक किया जाना चाहिए। नौकरियों में सिर्फ कोटा होने से उत्कृष्टता नहीं मिलेगी।

निस्संदेह, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में नए विकासशील क्षेत्रों और हाइब्रिड प्रौद्योगिकियों में प्रौद्योगिकी के बढ़ते हस्तक्षेप के कारण सरकारी कार्यकलापों में क्षमताओं को समृद्ध करने के लिए नए विचारों, ऊर्जा और डोमेन विशेषज्ञता के साथ बाहरी लोगों को शामिल करने की आवश्यकता है, ताकि शासन के जटिल कार्यों को तेजी से पूरा किया जा सके और वितरण तंत्र को तेज और कुशल बनाया जा सके। साथ ही वांछित परिणामों के लिए सरकार में सर्वश्रेष्ठ निजी क्षेत्र की संस्कृति को शामिल किया जा सके। अफसोस, समस्या तब होती है जब बौने नेताओं द्वारा संचालित हमारी क्षुद्र राजनीति सामाजिक न्याय और समानता की अनिवार्यताओं के खिलाफ संकीर्ण रूप से परिभाषित आरक्षण शर्तों में 'विशेषज्ञता' और 'योग्यता' को समान मानती है। नतीजतन, कुछ भी करना मुश्किल हो जाता है क्योंकि इसे एस.टी., एस.सी., ओ.बी.सी. के हितों के खिलाफ माना जाएगा।

जैसा कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने एस.सी., एस.टी. उप–कोटा पर रेखांकित किया है कि योग्यता को समानता और समावेशिता के सामाजिक सामान के संदर्भ में समझा जाना चाहिए, न कि संपन्न और वंचितों या योग्यता और वितरण न्याय के बीच संघर्ष के रूप में। नीतिगत दृष्टि से कोटा पर अत्यधिक जोर शासन को प्रभावित कर सकता है। इससे भी बुरी बात यह है कि नौकरशाह भी सरकार चलाने में निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों को स्थान देने में अनिच्छुक हैं। सत्ता और भ्रष्टाचार बाबुओं की सनकी नियंत्रण मानसिकता के माध्यम से प्रवाहित होते हैं। इसके अलावा, लगातार बढ़ते आरक्षण का समर्थन नहीं किया जा सकता। मुझे गलत मत समझिए, निश्चित रूप से सामाजिक न्याय वांछनीय है और समान अवसर और बेहतर जीवन स्तर प्रदान करने के सरकार के मौलिक मिशन के साथ–साथ एक प्रशंसनीय लक्ष्य है। फिर भी, गरीबी के दलदल से उन्हें ऊपर उठाने में भारत की 7 दशकों की ऊब यह दर्शाती है कि असंख्य वर्गों, जातियों, उपजातियों और वंचितों को आरक्षण प्रदान करने के लिए कोई भी कानून गरीबों की स्थिति में सुधार नहीं कर पाया है, भले ही कुछ लोगों को नौकरी मिल गई हो।

इसके अलावा यह पता लगाने के लिए कोई अध्ययन नहीं किया गया है कि कोटा के बाद आरक्षण पाने वालों का मनोबल बढ़ाने के लिए उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए कोई प्रयास किया जाता है या नहीं। कोटा लोगों के उत्थान के लिए एकमात्र रामबाण उपाय नहीं है। इसके अलावा इस बहाने से प्रतिद्वंद्विता को बढ़ावा देना खतरनाक है, कि इससे वंचितों का उत्थान होगा। लेटरल एंट्री सकारात्मक कार्रवाई का साधन नहीं है और कभी नहीं थी। यह विशेषज्ञों के लिए शासन में भाग लेने का एक साधन है जो अन्यथा सरकार में शामिल होने पर विचार नहीं करेंगे।

सच है, लेटरल एंट्रीकर्त्ता प्रणालीगत बीमारियों और कमियों के लिए कोई जादुई इलाज नहीं हैं और अधिक मौलिक पुनर्गठन के लिए एक मामला बनाया जा सकता है जो विशिष्ट अवधि के लिए अच्छी तरह से परिभाषित उद्देश्यों के लिए विशेषज्ञता और विशेषज्ञता के अंतराल को भरने में मदद कर सकता है। यू.एस., यू.के. जैसे विकसित देश नियमित रूप से सरकार के बाहर से विशेषज्ञों को नियुक्त करते हैं। हमारे नेताओं को पहचानने की जरूरत है कि असमानताएं मौजूद हैं और उन्हें ठीक किया जाना चाहिए। नौकरियों में सिर्फ कोटा होने से उत्कृष्टता नहीं मिलेगी। इस दिशा में, उन्हें योग्य बनाने के लिए अभिनव तरीके विकसित करने की जरूरत है, ताकि वे सामान्य श्रेणी के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हो सकें। समय की मांग है कि सभी को समान अवसर प्रदान किए जाएं। हमें ऐसी व्यवस्था की जरूरत है जो न तो पीड़ितों को दंडित करे और न ही विजेताओं को पुरस्कृत। आरक्षण के सार्वभौमिकरण का मतलब होगा उत्कृष्टता और मानकों को अलविदा... जो किसी भी आधुनिक राष्ट्र के लिए 'जरूरी' हैं, जो आगे बढना चाहता है। समय आ गया है कि केंद्र–राज्य सरकारें आरक्षण नीति पर पुनर्विचार करें और आरक्षण के अंधाधुंध इस्तेमाल को रोकें। अन्यथा हम अक्षमता और सामान्यता के जाल में फंस सकते हैं। आरक्षण पर बार–बार जोर देने से नुकसान हो सकता है और शायद इससे दरारें और बढ़ेंगी।

तबादलों का बड़ा खेल

–गुरबचन जगत–

मेरी यादें मुझे 1990 के दशक के मध्य में ले जा रही हैं, जब मैं चंडीगढ़ स्थित पुलिस मुख्यालय में एक प्रशासनिक अधिकारी की हैसियत से नियुक्त था। एक दोपहर, पुलिस महानिदेशक ने मुझे बुलाया और इच्छा जताई कि मुझे भी पंजाब भवन में मुख्यमंत्री के साथ बैठक में उनके साथ जाना चाहिए। हम दोनों समय पर पहुंच गए, लेकिन मुख्यमंत्री वहां नहीं थे, कुछ देर बाद उनकी ओर से एक सहयोगी आया। गर्मजोशी भरी दुआ–सलाम के आदान–प्रदान के बाद, मंत्री ने अपनी जेब से कागज की एक पर्ची निकाली और महानिदेशक को थमा दी। मेरे बॉस जल्द आपा खो देने के लिए मशहूर थे और मैं उनका चेहरा लाल होते हुए देख पा रहा था। फिर उन्होंने वह पर्ची मुझे पकड़ा दी, इसमें लगभग 20 तबादलों की सूची थी। प्रस्तावित बदलियां एक ही सिद्धांत पर आधारित थीं– सभी मौज–मस्ती वाले फील्ड में और तमाम बढ़िया अधिकारी दफ्तरी कामकाज पर। डीजीपी ने मुझसे मेरी राय पूछी, मैंने उनकी सोच का समर्थन किया और कहा कि एक भी प्रस्ताव स्वीकार करने लायक नहीं है। महानिदेशक उठ खड़े हुए और जैसे ही हम बाहर निकलने के लिए तैयार हुए, मंत्री ने सुझाव दिया कि इस मामले पर हम चर्चा कर सकते हैं और चाहें तो कुछ बदलाव भी किए जा सकते हैं। लेकिन उन्हें दो टूक बता दिया गया कि ऐसी सौदेबाजी हमारे बस की नहीं है, सो इस निश्चय के साथ बैठक से बाहर आ गए। मैंने महानिदेशक को उनके घर छोड़ा और कहा कि अब हमें खुद भी अपनी बदली के लिए तैयार रहना चाहिए। दो दिनों के बाद, हम दोनों को सूबे से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया और साथ ही मुख्य सचिव को भी (जाहिर है, उन्हें भी ऐसा ही अनुभव हुआ होगा)। हालांकि, वह वक्त अलग था और मूल्य और सिद्धांत अपनी जगह कायम थे, लिहाजा हम में से किसी की भी नौकरी पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा। वास्तव में, महानिदेशक की नियुक्ति बतौर राज्यपाल एक सूबे में हो गई। मुख्य सचिव की प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव के रूप में और मुझे जम्मू–कश्मीर का पुलिस महानिदेशक बनाया गया।

यह प्रसंग तब का था जब हम अभी उग्रवाद के जंजाल से पूरी तरह उबरे नहीं थे। वैसे भी बदलियों और नियुक्तियों को लेकर पुराने नियम–कायदे अभी भी जारी थे। पुलिस महानिदेशक की ओर से गृह विभाग को प्रस्ताव भेजा जाता और यदि गृह सचिव और डीजीपी के बीच कोई मतभेद हो, तो उसे दूर कर करने के बाद, नाम आगे मुख्यमंत्री को भेज दिया जाता। साथ ही, उग्रवाद के कारण, महानिदेशक के भेजे प्रस्ताव सामान्यतः स्वीकार हो जाते थे। इससे पहले भी,स्वतंत्रता–पूर्व काल में यही प्रथा थी और इस पर अमल बड़े जिम्मेदार तरीके से किया जाता था। ऐसे मामलों में, बड़े पैमाने पर राजनीतिक हस्तक्षेप होने का सवाल नहीं था। 19वीं सदी के मध्य में भारतीय सिविल सेवा (आईसीएस) में सुधार लागू होने शुरू हुए (1854 में आईसीएस पर लॉर्ड मैकॉले की रिपोर्ट के परिणामस्वरूप) और नौकरी पर रखना किसी की मेहरबानी की बजाय योग्यता–आधारित प्रणाली में परिवर्तित हो गया। ये सुधार ब्रिटिश होम सिविल सर्विस में भी लागू किए गए। एल्के फ्रैंक (हंटर कॉलेज, सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क) द्वारा लिखे गए एक शोधपत्र में, उन्होंने सरकार परिवर्तन काल में नौकरशाही के महत्व का वर्णन किया है रू 'चूंकि नौकरशाही' आधुनिक सरकार की धुरी है, इसलिए राजनीतिक परिवर्तन काल की प्रक्रिया में नौकरशाहों की भूमिका खासतौर पर अहम हो जाती है। जब एक सरकार पहले वाली की जगह लेती है, भले ही सत्ता का यह हस्तांतरण राजनीतिक व्यवस्था के अंदर क्रांतिकारी परिवर्तन दर्शाता हो या फिर स्थापित संवैधानिक ढांचे के भीतर किसी पार्टी की किस्मत चमकी हो, नौकरशाहों से अपेक्षा होती है कि वे अपने पदों पर बने रहें और प्रशासन के क्रिया–कलाप में पूर्ववत भाग लेते रहें। नीतिगत तंत्र में चाहे कितने भी बड़े बदलाव हों, सरकार के पहिए थमने नहीं चाहिए। आवश्यक कार्यक्रम और संचालन जारी रहें, बुनियादी प्रतिबद्धताओं का सम्मान बना रहे, वरना पूरा सामाजिक ताना–बाना बिखर जाएगा।'

यह योग्यता–तंत्र की मूल परिकल्पना के अनुरूप है और उन बुनियादी प्रतिबद्धताओं का सम्मान अवश्य रहे, जिनसे मिलकर लोकतंत्र एवं एक सक्षम सरकार का हृदयस्थल बनता हैं। हालांकि, राजनीतिक एवं प्रशासनिक काबिलियत, जवाबदेही और नैतिकता के मानकों में आमतौर पर आई गिरावट के अलावा सिविल सेवाओं में बाहरी हस्तक्षेप बढ़ने लगा। इसकी शुरुआत तब हुई जब सत्तासीन लोग अपने प्रभाव क्षेत्र में मनपसंद अधिकारी चाहते थे और अफसर भी जिस जगह मनमाफिक नियुक्ति चाहते थे, उसके लिए राजनीतिक संबंधों को भुनाने लगेदृ इस तरह आपसी हितों का पोषण करने वाली एक व्यवस्था स्थापित हो गई। पहले पहल, यह बूंदों के रूप में थी, लेकिन बाद में तो बाढ़ आ गयी। कारण था सिविल सेवाओं का राजनीतिकरण और राजनेता–अपराधी–पुलिस गठजोड़ का उद्भव, जिसमें आगे इजाफा हुआ सियासी दलों द्वारा 'इलाका प्रभारी' प्रणाली की शुरुआत से (विभिन्न राज्यों में इलाका प्रभारी को अलग–अलग नाम से जाना जाता है)।

चारो ओर से सरयू की पानी से घिरा देवरहवा बाबा आश्रम

संवाददाता–देवरिया। सरयू के पानी से देवरहवा बाबा का आश्रम चारो तरफ से घिर गया है। मईल–भागलपुर मार्ग पर पानी भरा है। मचान और गोशाला में पानी भर गया है। गोवंश को दिनरात पानी में खड़ा रहना पड़ रहा है। सड़क जलमग्न होने से भक्त आश्रम नहीं आ रहे है। पानी भरे सड़क को पार करने में पसीना आजा रहा है। तहसील क्षेत्र के सरयू और राप्ती नदी के किनारे बसे ग्रामों में बाढ़ का पानी भरने से चारों तरफ हाहाकार और तबाही का आलम हो गया है। दो दिनों से जलस्तर स्थिर होने के बावजूद ग्रामीणों की मुश्किल कम होने का नाम नहीं ले रही है। बरहज घाट पर मंगलवार को भी नदी का जलस्तर 68.00 मीटर दर्ज किया गया जो खतरे के निशान से 1.50 मीटर ऊपर है। पानी की बढ़त रुकने के बाद भी ग्राम विशुनपुर देवार और परसिया देवार में स्थिति गम्भीर हो गई है। चारों तरफ पानी का सैलाब दिख रहा है। खेत, फसल, मकान सब जलमग्न है। दो दर्जन से अधिक घरों में पानी भर गया है। विशुनपुर देवार के फूलचंद गोड, राजकुमारी बीरेंद्र यादव, शिवकुमार, रामेश्वर, किशोरी ने बताया कि तीन दिन दे घर मे पानी भरा है। खाना बनाना और सोना मुश्किल हो गया है। सांप और विषैले जंतु घर आ रहे है। नदी का रौद्र रूप देखकर दियारा में रहने वाले लोग अपने घरों के जरूरी सामान और जानवरों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने लगे हैं। इन गावों की दो हजार आबादी पानी मे कैद है। कपरवारस सरयू की रफ्तार जरूर थमी लेकिन राप्ती लगातार चढ़ रही है। संगम तट से कपरवार में जाने वाला मार्ग मंगलवार को पानी के दबाव से टूट गया है। पानी खेतो से होते हुए कुबाईच की तरफ बढ़ रहा है। टापू बने मदिला प्रथम में खेत, खलिहान, घर, स्कूल, अस्पताल हर जगह पानी ही पानी है। लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। कपरवार पश्चिम पट्टी, कोलखास नई बस्ती में कई मकानों में तीन फीट तक पानी भरा है। बिनोवपुर में भी नदी ने दबाव बना दिया है।

सीमा पर तैनात अग्निवीर जवान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

संवाददाता–बहराइच। कोतवाली नानपारा के गुरगुट्टा गांव निवासी 21 वर्षीय दिलीप निषाद पुत्र जमुना निषाद को अग्निवीर योजना के तहत डेढ़ वर्ष पूर्व सेना में तैनाती मिली थी। उसके बड़े भाई विनोद निषाद ने बताया कि इस समय भाई की तैनाती पश्चिम बंगाल के पानागढ़ में बंगलादेश बॉर्डर पर थी। मंगलवार रात नौ बजे भाई के शहीद होने की जानकारी अधिकारियों की ओर से दी गई। उन्होंने बताया कि अभी फिलहाल मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। विनोद के साथ पिता और चाचा फ्लाइट से पश्चिम बंगाल पहुंच गए हैं। बुधवार रात तक पार्थिव शरीर के गांव पहुंचने की संभावना है। नानपारा के एसडीएम अश्विनी पांडेय ने बताया कि इस घटना की कोई आफिसियल सूचना नहीं आई है। परिजनों के हवाले से जानकारी मिली है। परिजन मौके पर गए हैं। उनसे संपर्क साधा जा रहा है, उनके पहुंचने ही सही जानकारी मिल सकेगी।

अवैध रूप से संचालित दो अस्पताल सील

संवाददाता–देवरिया। डीएम व सीएमओ के निर्देश पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. अतुल कुमार स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ नगर क्षेत्र में मंगलवार को अवैध रूप से संचालित हो रहे प्राईवेट क्लीनिक एवं हॉस्पिटल, लैब की जांच करने निकले। इस दौरान अवैध रूप से संचालित दो अस्पतालों को सील कर दिया गया। टीम सबसे पहले नगर पंचायत के वार्ड नंबर एक भरौली पहुंची, जहां शिफा हेल्थ केयर सेंटर में कुछ मरीज बैठे हुए दिखाई दिए। वहां मौजूद एक महिला से जब चिकित्सक और कागजात की मांग की गई तो वहां पर कोई कागजात उपलब्ध नहीं कराया गया। जिसके बाद सीएचसी प्रभारी ने मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजवाकर निजी हॉस्पिटल को सील कर दिया। इसके बाद टीम नगर के वार्ड नंबर तीन भठवां धरमपुर में आलम क्लीनिक पर पहुंची जहां चिकित्सक कुर्सी पर बैठ कर मरीज देख रहे थे और 10 से अधिक मरीज बैठकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। कुर्सी पर बैठे चिकित्सक से कागजात की मांग की गई तो यहां भी कोई कागजात नहीं मिल सका। जिसके बाद मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाकर क्लीनिक को सील कर संचालित कर रहे चिकित्सक को अधीक्षक ने नोटिस दी।

छापेमारी को लेकर अवैध रूप से संचालित हास्पिटल व क्लीनिक वालों को जानकारी होते ही हड़कंप मच गया। टीम के आने की सूचना मिलते ही बिना लाइसेंस वाले क्लीनिक, लैब एवं मेडिकल स्टोर बंद कर भाग निकले। सीएचसी के अधीक्षक डॉ अतुल कुमार ने बताया कि अवैध रूप से शिफा हॉस्पिटल व आलम क्लीनिक चलने की शिकायत बार–बार मिल रही थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए डीएम के निर्देश पर दोनों हॉस्पिटलों की जांच की गई है। दोनों जगहों पर कुछ मरीज भर्ती कराया गया था। मरीजों को सीएचसी भेजवा कर दोनों हॉस्पिटल को सील कर दिया गया है।

नेबुआ नौरंगिया ब्लाक में प्रधानों व बीडीसी की बैठक संपन्न

संवाददाता–कुशीनगर। नेबुआ नौरंगिया विकास खंड सभागार में बुधवार को अपरान्ह 2 बजे आवश्यक बैठक आयोजित की गई है। यह जानकारी देते हुए बीडीओ उषा पाल ने बताया कि समस्त प्रधान एवं क्षेत्र पंचायत सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य है। बताया कि परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास विकास अभिकरण कुशीनगर ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत आगामी चरण वर्ष 2024–25 से वर्ष 2028–29 में योजना के क्रियान्वयन व मानक के संशोधन के सम्बंध में अवगत कराते हुए पात्र लाभार्थियों के चिन्हीकरण तथा आवास सूची 2018 की सूची को अद्यतन किए जाने की कार्यवाही शीघ्र प्रारम्भ करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी संबंध में बैठक होगी।

लिपिक की करंट के चपेट में आने से मौत

संवाददाता–बभनान। आचार्य नरेन्द्र देव किसान महाविद्यालय में लिपिक पद पर कार्यरत शिव शंकर ओझा (53) की मंगलवार को करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। बताया जाता है कि वह स्नान करने के लिए नल पर गए थे। नल पकड़ते ही टुल्लू पंप से करंट उतरने के कारण उनकी घटना स्थल पर मौत हो गई। घटना की जानकारी होने पर महाविद्यालय परिवार में शोक की लहर दौड़ गई।

छह शिक्षकों को डीआईओएस ने थमाई नोटिस

संवाददाता–गोण्डा। पौधरोपण जियो टैगिंग से आयोजित बैठक में बिना सूचना गैरहाजिर रहने पर छह शिक्षकों को डीआईओएस ने नोटिस जारी की है। डीआईओएस डॉ. रामचंद्र की ओर जारी नोटिस में कहा गया है कि 27 अगस्त को पौधरोपण से संबंधित सूचनाओं के लिए डीएम की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई थी। इसके लिए सभी नोडल अधिकारियों ने गूगल मीट में प्रतिभाग नहीं किया। इस पर छह विद्यालय के प्रधानाध्यापक व नोडल अधिकारी को नोटिस देकर जवाब मांगा है। इसमें मसकनवा के राजकीय बालिका इंटर कालेज, सोनौली मोहम्मदपुर के राजकीय हाईस्कूल, गिलौली के राजकीय बालिका हाईस्कूल, मछली गांव के राजकीय हाईस्कूल, बभनजोत के राजकीय इंटर कॉलेज और झंझरी के जमदरा राजकीय हाईस्कूल के प्रधानाध्यापक व नोडल अधिकारी शामिल हैं।

हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की जयकारे से गूंजी रामनगरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। मंगलवार को रात्रि 12 बजे हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की से गूंजायमान हुई भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या। जैसे ही घड़ी की सुइयां रात्रि 12 बजे एक हुई ,नंद घर आनंद भयो, जय कहैया लाल की' के धुन से अयोध्या नगरी गूंज उठी भक्त भक्तिभाव में उल्लासित रहे। श्री राम जन्मभूमि, मणिरामदास छावनी, दशरथ महल, वेद मंदिर, परिक्रमा मार्ग स्थित द्वारकाधीश मंदिर, कटरा स्थित परमहंस आश्रम, बैकुंठ धाम, श्री राम बल्लभ कुंज, उत्तर तोताद्रिमठ विभीषण कुंड, श्री लक्ष्मण किला, श्री सियाराम किला सहित अयोध्या के सभी मंदिरों में योग योगेश्वर भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया।सर्वप्रथम प्रातःकाल पंचामृत और सुगंधित औषधियों से भगवान का अभिषेक हुआ। तत्पश्चात नवीन वस्त्र धारण कराकर दिव्य श्रृंगार किया गया। उसके बाद वैदिक आचार्यों ने वेद मंत्रोच्चार के साथ पूजन किया। पूरे दिन धार्मिक अनुष्ठान का कार्यक्रम चलता रहा। तदुपरांत रात 12 बजे शंख एवं घंटे की ध्वनि के बीच यशोदानंदन का प्राकट्य होता है। जो बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। महोत्सव में श्रद्धालुगण पूरी तरह से सराबोर रहे, जिनके खुशी का कोई ठिकाना नही रहा। चारों ओर जय श्रीकृष्णा की जय–जयकार हो रही थी। अंत में श्रद्धालुगणों ने बड़े ही चाव के साथ भगवान के जन्मोत्सव का प्रसाद पाया।

वहीं परिक्रमा मार्ग स्थित द्वारकाधीश मंदिर में कृष्ण जन्माष्टमी की धूम रही। मंदिर में सुबह से लेकर देररात तक भक्तों का तांता लगा रहा। द्वारिकाधीश पीठाधीश्वर श्रीमज्जगदगुरू रामानुजाचार्य स्वामी सूर्यनारायणाचार्य महाराज के संरक्षकत्व में उत्सव मनाया गया।महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने पूरी दुनिया को अपनी लीलाओं का दर्शन कराया। वह हमारे आराध्य एवं आदर्श हैं। जिनकी हम पूजा करते हैं ऐसे भगवान श्रीकृष्ण को हम बारम्बार प्रणाम करते हैं उनका सानिध्य हम सभी को मिलता रहे।

यही हमारी उनसे कामना है।कटरा मोहल्ले में स्थित परमहंस आश्रम में महंत गोविंद दास महाराज के सानिध्य में भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण पूर्ण ब्रह्म है योग योगेश्वर है और गीता का उपदेश देकर के मानव समाज को अमूल्य वरदान दिया है जो आज भी समाज के लिए बहुत ही उपयोगी है।

महिला और मासूम की मौत से दहशत, भेड़िया प्रभावित इलाके में अफसरों के साथ पहुंचे यूपी के वन मंत्री

संवाददाता–बहराइच। यूपी के बहराइच में भेड़ियों के हमले में महिला और मासूम की मौत से दहशत का आलम है। ऐसे में यूपी के वन मंत्री अरुण सक्सेना ने बुधवार को बहराइच में महसी तहसील के भेड़िया प्रभावित इलाकों का दौरा किया। जिले के महसी तहसील के हरदी व खैरीघाट इलाके में बीते डेढ़ माह से आदमखोर भेड़िया का आतंक छाया हुआ है। इनके हमले में अभी तक सात बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो चुकी हैं। वहीं 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

हमलावर भेड़ियों को पकड़ने के लिए कुल 11 टीम लगाई गई हैं। जो ड्रोन कैमरों की मदद से निगरानी कर रहे हैं, और पकड़ने की जुगत में लगे हुए हैं। इन इलाकों का जायजा लेने के बाद वन मंत्री ने कहा कि जल्द ही यह भेड़िए पकड़े जाएंगे। वन विभाग की टीम लगातार इन्हें पकड़ने का प्रयास कर रही है। वन मंत्री ने यह भी बताया कि पीड़ित परिवार को सरकार की तरफ से मुआवजा भी दिया जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि इन भेड़ियों को अति शीघ्र ही पकड़ लिया जाएगा। सभी टीमें प्रयासरत हैं ग्रामीणों को भी जल्दी राहत मिल जाएगी। प्रमुख वन संरक्षक रेनू सिंह ने कहा कि वो खुद इन इलाकों में कैम्प करेंगी। जबतक ये नरभक्षी पकड़ नहीं लिए जाते तब तक वह राहत की सांस नही लेंगी।

इससे पहले भेड़िए ने 60 वर्षीय महिला पर हमला कर मौत के घाट उतार दिया था। वहीं पांच वर्षीय मासूम को उठा ले गया और उसे निवाला बना लिया था। छत्तर पुरवा निवासी तीन मासूम बच्चे व एक महिला सहित चार और लोग भी घायल हुए थे। जिलाधिकारी ने घटनास्थल का दौरा कर हमलावर भेड़िए को पकड़ने के निर्देश दिए थे।

गौरतलब है कि ग्राम पंचायत महसी के कुम्हारन पुरवा गांव निवासी रीता देवी पत्नी राम नरेश रविवार की रात आंगन में सो रही थी। रात 12 बजे भेड़िए ने घर में घुसकरउसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल महिला को परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महसी लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही विधायक सुरेश्वर सिंह पहुंचे और गंभीरता से जांच की। डीएफओ अजीत प्रताप सिंह, एसडीएम अखिलेश कुमार सिंह, बीडीओ महसी हेमंत कुमार यादव, सीओ रूपेंद्र गौड़ सहित वनकर्मी, पुलिस कर्मी व कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर हमलावर भेड़िए की तलाश में शुरू की।

इसी तरह सोमवार की भोर 4 बजे खैरीघाट थाने के भवानीपुर के महजिदिया निवासी ननकू की 30 वर्षीय पत्नी काजल छत पर सोई हुई थी। भोर में वह बच्ची को दूध पिलाने नीचे आई। तभी भेड़िए ने बच्ची पर झपट्टा मारा। काजल ने बच्ची को छुपा लिया। इस पर भेड़िए ने काजल के सिर को जबड़े में भर लिया। शोर सुनकर परिजन दौड़े तो भेड़िया भाग निकला। घायल महिला को सीएचसी में भर्ती कर इलाज करवाया गया है।

मंगलवार को तड़के खैरीघाट थाने के रायपुर के मजरा दीवान पुरवा निवासी सज्जन का पांच वर्षीय बेटा अयांश मां रोली के पास आंगन में छप्पर के नीचे सोया था। भेड़िए ने बेटे अयांश को जबड़े में दबाकर उठा ले गया। सुबह उसका क्षत विक्षत शव घर से एक किलोमीटर दूर चकरोड पर मिला। उसी रात यहां से दो किलोमीटर दूर स्थित बरुही छत्तर पुरवा गांव निवासी 9 वर्षीय शिवानी पुत्री चिंताराम, 03 वर्षीय हरियाली पुत्री राम सुरत, 03 वर्षीय वंश पाठक पुत्र सतीश कुमार को घायल कर दिया। सभी को सीएचसी महसी में भर्ती कराया गया है। जिलाधीकारी मोनिका रानी व पुलिस अधीक्षक वृदा शुक्ला ने घटना स्थल का जायजा लिया। उन्होंने डीएफओ आकाश दीप बधावन को सर्च अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए।

महसी के विधायक भी हाथों में बंदूक थाम कर जनता के प्रहरी बनकर भेड़ियों से रक्षा को गांवों में उतर पड़े हैं। विधायक महसी सुरेश्वर सिंह अपने बेटे अखंड प्रताप सिंह के साथ विभिन्न गांवों में रात भर गश्त करते नजर आते हैं।

शुक्रवार की रात से लगातार एक हाथ में बंदूक और दूसरे हाथ में टॉर्च लेकर प्रभावित गांवों में गश्त करते रहे। वह ग्रामीणों को मासूमों के साथ बाहर न सोने की सलाह दे रहे हैं और सर्च आपरेशन की निगरानी के लिए रात भर गांव–गांव घूम रहे हैं। छह माह में विभिन्न गांवों में हुए हमलों में हुई आठ मासूमों व एक महिला सहित नौ की मौतों से आहत विधायक ने कहा कि हमलों में मारे गए बच्चों के परिजनों व घायलों की पीड़ा से मन बहुत आहत है। उनकी कोशिश है कि महसी को इस आपदा से जल्द ही निजात दिला सकें।

मारपीट की घटनाओं में छह घायल, आठ नामजद

संवाददाता–देवरिया। रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र के तीन अलग अलग गांवों में हुए मारपीट की घटनाओं में तीन महिलाओं सहित छह लोग घायल हो गए। मामले में पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज की है। क्षेत्र के फतेहपुर गांव के कुसुम्ही टोला के रहने वाले छट्ठू साहनी ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि पुरानी रंजिश को लेकर दूसरे पक्ष के लोगों ने उनकी पत्नी ममता देवी को मारपीट कर हाथ की हड्डी तोड़ दिया है। मामले में पुलिस ने नल्थू साहनी व उसकी पत्नी ममता देवी के खिलाफ केस दर्ज की है। दूसरी घटना फतेहपुर गांव के रामनगर टोला की है। रामअशीष निषाद ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि भूमि विवाद को लेकर दूसरे पक्ष के लोगों ने उन्हें और उनकी पत्नी शकुन्तला देवी को मारपीट कर घायल कर दिया। जिसमें पुलिस ने भोला निषाद, राजू निषाद, विन्दावती देवी व ममता देवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज की है। तीसरी घटना रामलक्षण चौकी क्षेत्र के सरहसबह गांव के नौका टोला की है। सदानन्द निषाद ने पुलिस को दी गई तहरीर में खेत बेचने से मना करने पर दूसरे पक्ष के लोगों ने उनके साथ ही उनकी पत्नी सुमित्रा देवी और बहन रंजिता को मारपीट कर घायल कर दिया। मामले में पुलिस ने दूसरे पक्ष के नागेन्द्र निषाद व रामचेता निषाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज की है।

पंखा चलाने के लिए जैसे ही ऑन किया स्विच, करंट ने ले ली जान

संवाददाता–महराजगंज। पुरंदरपुर क्षेत्र के ग्राम कोट कम्हरिया टोला पटखौली में बुधवार दोपहर एक हादसा हो गया। गांव निवासी एक शख्स पंखा चलाने के लिए जैसे ही बोर्ड पर स्विच ऑन किया कि वह तेज करंट की चपेट में आ गया। इस हादसे में उसकी मौत हो गई।

पटखौली निवासी विनोद (49) पुत्र राजदेव बुधवार दोपहर पंखा चलाने के लिए स्विच ऑन करने बोर्ड के पास पहुंचा। स्विच ऑन करते ही करंट की चपेट में आकर गिरकर तड़पने लगा। हादसे के तुरंत बाद ग्रामीणों के सहयोग से परिजन इलाज के लिए उसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लक्ष्मीपुर पहुंचे। अस्पताल में जांच के बाद चिकित्सक डॉ. अंशू सिंह ने बताया कि युवक की पहले ही मौत हो चुकी है। युवक की मौत के बाद कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया है।

हादसे की खबर पाकर चौकी प्रभारी शोभनाथ यादव सीएचसी पहुंचकर कार्रवाई में जुट गए। एसओ पुरुषोत्तम राव ने बताया कि मामले में जरूरी कार्रवाई हो रही है।

राजा जय प्रताप से मिलकर अयोध्या के महंत वीरेंद्र दास ने दिया आशीर्वाद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। संत मिलन को जाइए तज माया अभिमान ज्यों ज्यों पग आगे बढ़ें कोटि यज्ञ समान और जब संत स्वयं आशीर्वाद देने पहुंच जाए तो समझिए कि उसे व्यक्ति का भाग्य उदय हो गया है उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री बांसी से विधायक राजा जय प्रताप सिंह से अयोध्या गोविंद आश्रम के पीठाधीश्वर महंत वीरेंद्र दास ने मिलकर आशीर्वाद दिया और भगवान श्री राम लाल से उनके दीर्घायु की कामना की। महाराज जी ने बताया कि राजा जय प्रताप सिंह राजा होने के बाद भी उनके अंदर तनिक भी अभिमान नहीं कोई भेद नहीं है वास्तविक रूप में वह संत स्वरूप हो गए हैं।

श्री महाराज जी के आश्रम में निरंतर सेवाएं चलती रहती है जिसमें गौ सेवा विद्यार्थी सेवा के साथ–साथ जब भी मानव पर संकट आया है या खुशी का दौर रहा है तब तब आश्रम में महंत वीरेंद्र दास ने सेवा के लिए अपने मंदिर के कपाट खोल दिए श्री महाराज जी ने कोरोना कल में भी लोगों की सेवा की और मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के दौर से निरंतर सेवा करते आ रहे हैं उन्होंने बताया कि बंसी के राजा जय प्रताप सिंह को भी आश्रम पर आमंत्रित किया है और उन्होंने निमंत्रण स्वीकार किया है। श्री महाराज जी ने बताया कि आश्रम की सेवाएं भक्तों से चलती हैं और आश्रम से जुड़े लोगों को आश्रम से जोड़ना उनको बुलाना यही हमारा दायित्व है जिससे कि आश्रम की सेवाओं में और विस्तार दिया जाए।

बदबू निकलने पर पहुंची पुलिस, अंदर मरा पड़ा था युवक

संवाददाता–महराजगंज। पनियरा थाना क्षेत्र के पनियरा–मुजुरी मार्ग स्थित ग्राम पंचायत माधोनगर में संदिग्ध परिस्थितियों में एक 35 वर्षीय युवक का शव मिला है। यह युवक गांव निवासी हरिलाल मौर्या के घर में दुकान किराए पर लेकर रहता था। उसके कमरे से बदबू निकलने पर पुलिस को सूचना दी गई और पुलिस ने जांच की तो वह अंदर मृत पड़ा था। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के साथ फोरेंसिक टीम भी पहुंचकर जांच में जुट गई है।

गोरखपुर के कैम्पियरगंज क्षेत्र के ग्राम रिगौली निवासी मुराद पुत्र तफीउल्लाह यहां दुकान किराए पर लेकर झाड़फूंक का काम करता था। झाड़फूंक के लिए वह अक्सर इधर–उधर घूमता रहता था। लोगों के अनुसार दो–तीन दिनों से वह दिखाई नहीं दे रहा था। इसी बीच उसके कमरे से बदबू निकलने लगी। बदबू निकलने की सूचना मकान मालिक ने पुलिस को दी। पुलिस ने उसका कमरा खुलवाया तो वह अंदर मृत पड़ा था। बताया जाता है कि उसके माता–पिता का निधन हो चुका है और परिवार में कोई नहीं है। घटना को लेकर तरह–तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

एसओ निर्भय कुमार सिंह का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। फील्ड यूनिट ने मौके पर पहुंचकर जांच–पड़ताल की है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर मौत के बारे में स्पष्ट जानकारी मिलेगी। पुलिस मामले में कार्रवाई कर रही है।

पुलिस की जांच में नहीं आता तस्करी के मास्टरमाइंड का नाम

संवाददाता–कुशीनगर। शराब की बरामदगी चाहे वह बड़ी खेप हो या परचून की दुकान पर, पुलिस की जांच में उन मोहरों का नाम नहीं उजागर होता है जो इन्हें सप्लाई देते हैं। जबकि बरामद शराब की शीशी व पेटियों पर बारकोड होता है। इसी को खंगाल कर पुलिस उस मोहरे तक पहुंच सकती है जहां से वह माल सप्लाई किया गया होता है। किन्तु मुकदमा दर्ज करने और चंद प्यादों के खिलाफ कार्रवाई तो दिखती है परंतु आगे की विवेचना में न तो शराब के सप्लायर और न ही उस भट्ठी के लाइसेंस पर ही कोई कार्रवाई होती है। मोहरों की चाल में उलझी पुलिस की विवेचना के कारण बड़े बड़े ही सफाई से बच जाते हैं और अपने धंधे को बदस्तूर जारी रखते हैं। 1 जुलाई की रात में ट्रॉली पर ईंट के नीचे छिपाकर शराब तस्करी के नए तरीके का रामकोला पुलिस ने भंडाफोड़ कर दिया। दो ट्रॉलियों पर ईंट के नीचे छिपाई गई 127 पेटी अंग्रेजी शराब की खेप को रामकोला पुलिस ने माघी मठिया पुल के पास से बरामद किया और तीन तस्करों को भी पकड़कर कानूनी प्रक्रिया पूरी की। पुलिस दोनों ट्रैक्टर ट्रॉलियों को रामकोला थाने ले आई। थाने में ईंट उतरवाने के बाद शराब की पेटियों को नीचे उतरवाकर गिनती कराई गई। कुल 127 पेटियों में 180 मिली की 6096 अंग्रेजी शराब की फ्रूटी निकली। पुलिस के अनुसार बरामद 1097 लीटर शराब व वाहन की अनुमानित कीमत करीब 36 लाख रुपये बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों में मिथिलेश कुमार व झरिमन बिहार प्रांत के छपरा निवासी है जबकि तीसरा आरोपी सुभाष यादव रामकोला थाने में माधोपुर गौजही का है। पुलिस ने इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। बताया जा रहा है कि पकड़े गए तीन आरोपियों में दो ट्रैक्टर चालक और ईंट भट्ठे पर काम करने वाला मजदूर था। इस मामले में पुलिस अपनी विवेचना में ईंट भट्ठे और शराब आपूर्ति करने वाले गोदाम या भट्ठी का पता उजागर करने की बात की थी जो अब तक नहीं हुआ। एक ही ब्रांड की बरामद 127 पेटी अंग्रेजी शराब किस दुकान या एजेंसी से रखवाया गया, यह प्रश्न अब भी अनुत्तरित है। गिरफ्तार आरोपियों की वेशभूषा देखकर ऐसा नहीं लग रहा था कि वे इतनी महंगी शराब खरीदकर तस्करी कर सकते हैं। जबकि पुलिस के मुकदमे में कोई अन्य आरोपी भी नहीं बनाया गया है। बीते 31 जुलाई को आबकारी निरीक्षक विनय कुमार सरोज ने छापेमारी की और थानाक्षेत्र के मोरवन घुरहूछपरा टोले से एक परचून की दुकान पर छापा मारकर 5 पेटी देशी शराब बरामद किया। आबकारी निरीक्षक ने उसी दिन रामकोला थाने में मुकदमा पंजीकृत कराया। दूसरी ओर एसपी ने इस संबंध में जांच करवाई। इसमें संबंधित बीट के सिपाहियों को स्पष्टीकरण देना था। यह कार्रवाई भी स्पष्टीकरण तक सिमट कर रह गई। इतना ही नहीं उन पेटियों पर लगे बारकोड से भी पुलिस ने यह पता लगाने का जहमत नहीं उठाया कि यह शराब किस भट्ठी या गोदाम से उस परचून की दुकान तक पहुंचाई गई थी। इन दोनों मामलों में शराब की आपूर्ति करने वाले मास्टरमाइंड बड़े आसानी से बच निकले।

योजना से जोड़े जायेंगे पात्र लाभार्थी

संवाददाता–बस्ती। वर्ष 2024–25 हेतु प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत आवास प्लस 2018 की सूची में पात्र लाभार्थियों का नाम जोड़े जाने हेतु शासन से निर्देश प्राप्त है। उक्त जानकारी देते हुए मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सी.एस. ने निर्देशित किया कि जनपद स्तर पर खण्ड विकास अधिकारी एवं जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक करके सर्वे हेतु कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जाय। इसी प्रकार विकास खण्ड स्तर पर एवं समस्त ग्राम पंचायतों में भी बैठक आयोजित कर पी०एम०ए०वाई–जी० की सर्वे 2024 उन्मुखीकरण गोष्ठी का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने कहा है कि समस्त ग्राम पंचायत में सर्वेकर्ता की नियुक्ति करते हुए समस्त ग्राम पंचायतों में ग्रामवासियों को आवास सर्वे से सम्बन्धित नियमों एवं जानकारियों का प्रचार–प्रसार करते हुए सर्वे का कार्य प्रारम्भ किया जायेगा। समस्त ग्राम पंचायतों में बैठकों का रोस्टर बना लिया गया है।

उन्होने बताया कि अपात्रता हेतु 10 मानक मोटरयुक्त तीनपहिया/चौपहिया वाहन, मशीनरी तीनपहिया/चौपहिया कृषि उपकरण, 50000 रु० या उससे अधिक ऋण सीमा वाले किसान क्रेडिट कार्ड, ऐसे सदस्य जिनका कोई सदस्य सरकारी कर्मचारी हो, ऐसे परिवार जिनका गैर–कृषि उद्यम सरकार के साथ पंजीकृत हो, परिवार का कोई सदस्य जो 15000 प्रतिमाह से अधिक कमा रहा हो, आयकर देने वाले परिवार, व्यवसाय कर देने वाले परिवार, 2.5 एकड़ या उससे अधिक सिंचित भूमि का मालिक होना तथा 5 एकड़ या उससे अधिक असिंचित भूमि का मालिक होना के आधार पर आवेदन कर्ता को अपात्र घोषित किया जायेगा। उन्होने कहा कि उपरोक्त मानकों का प्रचार–प्रसार करने हेतु ग्राम पंचायत में सार्वजनिक भवनों पर वालपेन्टिंग भी करायी जायेगी। सर्वे का कार्य शुचिता पूर्वक कराने के लिए हर सम्भव प्रयास किया जायेगा।

रोहिंग्या बांग्लादेशी आतंकियों को बलपूर्वक भारत से बाहर निकला जाए- पं कल्किराम

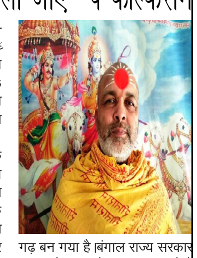

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।भारत नवनिर्माण हेतु प्रधानमन्त्री मोदीजी के प्रयासों की सफलता की प्रार्थना करते हुए 6 अगस्त से शुरू 21दिवसीय बगला ब्रह्मास्त्र महायज्ञ की पूर्णाहुति सम्पन्न हुई।

जानकारी देते हुए अनुष्ठान के संयोजक रामादल अध्यक्ष पण्डित कल्कि राम ने बताया कि सनातन समाज और मानवता के लिए नरक बन चुके बंगाल राज्य की बर्बरता पर महामहिम राष्ट्रपति महोदया और प्रधानमंत्री का ध्यान आकृष्ट कराने हेतु 15 जुलाई को श्रीराम जन्मभूमि पर विराजमान श्रीराम लला सरकार को साक्षी मानकर राष्ट्रहित में शुरु किया गया मौन अनशन 27 वें दिन बगला ब्रह्मास्त्र महायज्ञ के चलते विश्राम दे दिया गया था और उम्मीद थी की । महामहिम द्वारा बंगाल राज्य मे हो रही बर्बरता को गम्भीरता पूर्वक संज्ञान लिया जाएगा लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ जबकि बंगाल की अराजकता में कहीं कोई अन्तर नहीं आया।

शक्ति संस्कृति सभ्यता के लिए जाना जाने वाला बंगाल राज्य आज बहन बेटियों की हत्या बलात्कार का गढ़ बन गया है।बंगाल राज्य सरकार द्वारा अवैध रुप से बसाए गए करोड़ों रोहिंग्या बांग्लादेशी आतंकियों ने कोहराम मचा रखा है। स्थिति की भयावहता यह है कि माननीय उच्चतम न्यायालय को भी संज्ञान लेने पर विवश होना पड़ा।

बंगाल राज्य की दुर्दशा पर महामहिम राष्ट्रपति महोदया और प्रधानमंत्री का ध्यान आकृष्ट कराने के लिए मौन अनशन के बाद अब रामादल राष्ट्रपति भवन,प्रधानमंत्री आवास, संसद भवन की परिक्रमा कर राष्ट्रहित में राष्ट्रपति शासन एवं रोहिंग्या बांग्लादेशी आतंकियों को बलपूर्वक भारत की सीमा से बाहर निकालने की मांग करेगा।

गोरखपुर–वाराणसी हाईवे पर एक घंटे में दो हादसे, ट्राला से टकराई बस ड्राइवर समेत दो ने गंवाई जान

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर–वाराणसी हाईवे पर गीडा थाना क्षेत्र के मरवड़िया कुंआ, जीतपुर के पास मंगलवार की आधी रात के बाद एक घंटे के अंतराल पर एक के बाद एक दो हादसे हुए। दोनों ही बार सड़क पर खड़े ट्राला से बस टकरा गई। पहले हादसे में बस में सवार 25 साल के एक नौजवान यात्री की मौत हुई जबकि दूसरे हादसे में रोडवेज बस के ड्राइवर की। पहले हादसे में 15 और दूसरे में छह यानी कुल 21 यात्री घायल हुए हैं। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। दुर्घटना की शिकार हुई दोनों बसें प्रयागराज सिविल लाइंस डिपो की हैं।

मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की रात करीब दो बजे प्रयागराज, सिविल लाइंस डिपो की बस यात्रियों को लेकर गोरखपुर आ रही थी। बस लेकर ड्राइवर मरवड़िया कुंआ, जीतपुर के पास पहुंचा। तभी हाईवे पर पहले से खड़े गिट्टी लदे ट्राला में बस की टक्कर हो गई। दुर्घटना में बस के परखचे उड़ गए। बस सवार एक युवक (अज्ञात, उम्र 25 साल) का शरीर दो टुकड़ों में बंट गया। उसके बदन का कुछ हिस्सा छिटकर ट्राला की गिट्टी पर पहुंच गया। हादसे के बाद मची चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। राहगीरों में से किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने आनन–फानन में घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

उधर, इस घटना के करीब एक घंटे बाद तीन बजे दूसरी बस की टक्कर हो गई। प्रयागराज से यात्रियों को लेकर आ रही बस आगे आगे चल रहे ट्राला से टकरा गई। दुर्घटना में इस बस के चालक जौनपुर, बदलापुर निवासी ड्राइवर राजेश (उम्र 50 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। इसमें छह यात्री घायल हो गए।

पुलिस ने उनको भी जिला अस्पताल पहुंचाया। एक्सीडेंट की जानकारी पाकर एआरएम अशोक सिंह मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात में बाघागाड़ा के पास गिट्टी लदे डंपर, ट्रक और ट्राला के खड़े होने से दुर्घटनाएं होती हैं। एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस ने तत्काल घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

झांसा देकर टप्पेबाज 25 हजार रुपये लेकर भागा

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा क्षेत्र के बरगदही केवटान टोले पर टप्पेबाज ने सहज जनसेवा केंद्र संचालक के भाई को झांसा देकर 25 हजार रुपये नकदी की ठगी कर ली। पीड़ित की सूचना पर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बरगदही के केवटान टोला का अखिलेश अपने घर में डिजिटल सेवा नाम से सहज जनसेवा के साथ ही एसबीआई का सीएससी (ग्राहक सेवा केंद्र) चलाता है। मंगलवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे वह अपने परिचित के बुलाने पर चौराहे की ओर चला गया। उस समय दुकान पर उसका भाई समरजीत बैठा था। तभी बिना नंबर प्लेट की बाइक से हेलमेट पहने टप्पेबाज उसकी दुकान पर पहुंचा। उसने समरजीत से अखिलेश के बारे में पूछा। कुछ देर तक बातचीत करने के बाद शातिर ने किसी से मोबाइल पर बात की। इसके बाद उसने सीएसपी के बैंक खाता में रुपये भेजने को कहा।

कुछ देर तक इंतजार करने के बाद जालसाज ने समरजीत से 25 हजार रुपये मांगे। एक सादे कागज पर गलत नाम और मोबाइल नंबर लिखकर वह नकदी लेकर चला गया।

इसके बाद जब समरजीत ने बैंक एकाउंट चेक किया तो मालूम हुआ कि पैसा आया ही नहीं है। उसने घटना की सूचना पुलिस को दी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस जांच कर रही है।

15 बूढ़ी बसें बेड़े से होंगी बाहर

संवाददाता–अयोध्या। परिवहन नपिगम अयोध्या परिक्षेत्र की सड़क पर फर्राटा भर रही 15 बूढ़ी बसों को बेड़े से बाहर किया जाएगा। आयु पूरी कर चुकी या निर्धारित दूरी तय कर चुकी खटारा बसों को परिवहन निगम मुख्यालय ने कंडम घोषित कर दिया है। कंडम बसों को रूटों से हटाकर संभागीय परिवहन विभाग में सरेंडर करने का फरमान जारी किया गया है। अब अयोध्या परिक्षेत्र के विभिन्न डिपो की 15 बसें बेड़े से बाहर होने पर 368 बसें संचालित होंगी। सभी कंडम बसों के क्षेत्रीय कार्यशाला में खड़ी कराने की कवायद शुरू हो गई है।

परिवहन निगम परिक्षेत्र के विभिन्न डिपो में निगम व अनुबंधित कुल 383 बसें संचालित हो रही थीं। जिसमें 15 बसें 10 वर्ष की आयु पूरी करने के साथ 11 लाख किमी की दूरी तय चुकी हैं। इसके अलावा पिछले छह माह में ये बसें 25 हजार किमी से कम दूरी भी तय की हैं। इसलिए इन्हें कंडम घोषित कर दिया गया है। इसमें अयोध्या डिपो की सात, अमेठी डिपो की एक, सुल्तानपुर डिपो की पांच व अकबरपुर डिपो की दो बसें शामिल हैं। अब परिक्षेत्र में कुल 368 बसें ही शेष होंगी। खटारा बसों को रूट आफ करके क्षेत्रीय कार्यशाला में खडा कराकर संभागीय परिवहन विभाग में औपचारिकताएं पूरी करने के निगम मुख्यालय ने आदेश दिया है। क्षेत्रीय प्रबंधक विमल राजन ने मुख्यालय के निर्देश पर 15 बसों को रूट आफ कर दिया गया है। जल्द ही सभी बसों को क्षेत्रीय कार्यशाला में खड़ा कराने के निर्देश संबंधित डिपो को दिया गया है। परिवहन विभाग की औपचारिकताएं पूर्ण करके बसों को सरेंडर कर चेचिस कटवाकर रजिस्ट्रेशन निरस्त करने के लिए आरटीओ में जमा करा दिया जाएगा।

रात भर छाई रही बदली, सुबह हुई बारिश से राहत

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में एक दिन पहले हवाओं के तेज रुख ने समूचे वातावरण को ठंडा कर दिया है। वहीं पूरी रात बदली छाई रही। सुबह के समय लगभग आधे घंटे की हल्की बारिश हुई। इससे किसानों को राहत हुई।

पिछले दो दिन से लगातार तेज पुरवा हवाएं चल रही थीं। लगातार बादल आ जा रहे थे। पर बारिश नहीं हो रहे थे। रात में आसमान में बादल छाने लगे। रात में हल्की बूंदाबांदी हुई। सुबह उठकर लोग अपने काम निपटा रहे थे। लगभग सवा छह बजे के बाद फिर बूंदे पड़ने लगी। इसके बाद कुछ देर तेज तो कुछ देर धीमी गत से बारिश होती रही। लगभग सात बजे बारिश थम गई। इसके बाद हल्की छूप छाई रही।

जीवीएम में धूमधाम से मना दही हांडी प्रतियोगिता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जीवीएम कान्वेन्ट स्कूल में श्री कृष्ण जन्माष्टमी बड़े ही धूमधाम के साथ मनाई गयी। जिसमें सेकड़ो बच्चो ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर बच्चे कृष्ण राधा एवं सुदामा की वेशभूषा में बहुत ही आकर्षक लग रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबन्धक संतोष सिंह एवं प्रधानाचार्या विजय लक्ष्मी सिंह ने मां सरस्वती एवं भगवान श्री कृष्ण के चित्र पर माल्यार्पण करके किया । विद्यालय के बच्चों के बीच 'दही हांडी प्रतियोगिता' कराई गई जिसमें बच्चों ने बड़े ही उत्साह के साथ प्रतिभाग किया और मटको को फोड़ा। विद्यालय के प्रबंधक संतोष सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय भगवान श्री कृष्ण के बाल्य रूप के जन्म दिवस को मनाता है क्योंकि प्रत्येक बच्चों में हम राम,कृष्ण एवं प्रत्येक धर्म में उनके आराध्य देवों के रूप को देखते हैं और आशा करते हैं कि उनके जीवन से प्रेरणा लेकर अपने चरित्र का निर्माण करें। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षको में अखिलेश, सुधांशु, जितेंद्र, देवेंद्र शिक्षिकाओं में अनन्या एवं अभिभावकों में अर्चना,शोभा,रागिनी एवं सुमन राय ने अपने भजनों के द्वारा लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

श्री कृष्ण के वेशभूषा में अथर्व, आर्यस, अर्णव, अश्विक, अनमोल, अभिषेक एवं राधा के वेशभूषा में रमजिया, मान्या,आव्या,वाची रिद्धिमा, प्रिशा, वन्या, मनु, निकिता, निर्वि, गरिमा, अविका, एवं मंजरी ने लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन शैलेंद्र एवं प्रिंस जी ने सफलता पूर्वक किया। इस अवसर पर प्रवीण,राकेश, राजेश, गिरीश, शैलेन्द्र, सुधांशु,उपेन्द्र, विजय गुप्ता, अनन्या, रूबीना, हिना, ममता, रागिनी, अनिता, खुश्बू शबनम, श्रुति, सुधीर, सावित्री, प्रविण, अंकुश, पंकज, जितेन्द्र, विजयि मोहन, जय प्रकाश, नितिन, अंकुश,आदि शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

पुनरीक्षण समिति की संयुक्त बैठक में योजनावार प्रगति की समीक्षा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिला स्तरीय परामर्श समिति एवं जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति की संयुक्त बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। उन्होने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार तथा पीएम स्वनिधि, पेण्डिंग फाइल 31 अगस्त तक अवश्य सेंसन करायें। समाज के कमजोर वर्गो को ऋण उपलब्ध कराने में प्राथमिकता दें तथा सरकार द्वारा संचालित योजनाओं में प्राप्त आवेदन पत्रों को त्वरित गति से निस्तारण करें। उन्होने वित्तीय वर्ष 2024–25 के प्रथम त्रैमास जून 2024 की वार्षिक ऋण योजना एवं सरकारी योजनाओं में बैंको को आवंटित लक्ष्य के सापेक्ष योजनावार प्रगति की समीक्षा किया।

उन्होने सेक्टरवाइज एचीवमेण्ट प्राथमिक एवं गैर प्राथमिक, वार्षिक ऋण योजना, वित्तीय वर्ष 2024–25 में किसान क्रेडिट कार्ड की प्रगति, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना, ओडीओपी वित्तीय सहायता योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिषन, अन्त्योदय योजना, किसान फसल बीमा, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिषन, पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना, मत्स्य किसान क्रेडिट कार्ड योजना सहित वित्तीय समावेशन की विस्तार से समीक्षा किया। इसके संबंधा में बैंको के प्रबंधको एवं विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि लक्ष्य के सापेक्ष योजनाओं की प्रगति हेतु सतत् प्रयत्नशील रहें।

उन्होने कहा कि बस्ती जिले में फसल बीमा के लिए बैंक प्रीमियम की कटौती करने के उपरान्त कृषक को सूचित करें तथा निर्धारित बीमा राशि की क्षतिपूर्ति भी कृषको को दिलायें। बैठक का संचालन लीड बैंक मैनेजर आर.एन. मौर्या ने किया। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, सीडीओ जयदेव सी.एस., सहायक महाप्रबन्धक रिजर्व बैंक जितेन्द्र मोहन सिंह, डीडीओ अजय सिंह, डीडीएम नाबार्ड मनीष कुमार, उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप, निदेषक आरसेटी मृत्युंजय सिंह, मत्स्य के संदीप कुमार, ग्रामोद्योग अधिकारी, जिला सेवायोजन अधिकारी अवधेन्द्र प्रताप वर्मा, धीरज राय, सांसद व विधायक प्रतिनिधि गुलाब चन्द्र सोनकर, मु. सलीम, सरोज मिश्र, फूलचन्द्र श्रीवास्तव, एम.एल.सी. प्रतिनिधि संदीप यादव, बैंक प्रतिनिधि तथा विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

ओवरब्रिज का काम पूरा, जल्द शुरू होगा आवागमन

संवाददाता–गोरखपुर। सोनौली हाईवे के बालापार टिकरिया रोड से गोरखपुर आने–जाने वाले करीब 150 गांवों के लोगों को ट्रेन के गुजरने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। लोग फर्राटा भरते हुए आवागमन कर सकेंगे। गोरखपुर–सोनौली हाईवे से बालापार टिकरिया मार्ग तक बन रहे ओवरब्रिज का काम पूरा हो गया है।

सेतु निगम ने अधिकारियों के निरीक्षण कर ओवरब्रिज को आमजन के लिए खोलने की अनुमति दे दी है। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों कराने के लिए समय मांगा गया है। उम्मीद है कि मुख्यमंत्री के अगले गोरखपुर दौरे पर इस ओवरब्रिज को आमजन के लिए खोल दिया जाएगा।

सरहरी संवाद के अनुसार बालापार रोड से गोरखपुर आने वाले लोगों को आधे घंटे से अधिक समय तक ओंकार नगर, महुआतर रेलवे गेट पर रुकना पड़ता था। इससे सोनौली हाईवे तक लंबा जाम लग जाता था। क्रॉसिंग खुलने के बाद भी लोगों को असुविधा होती थी। बालापार रोड से महराजगंज जिले के गांगी बाजार, पनियरा और मुजुरी सहित अन्य प्रमुख कस्बों के लोग गोरखपुर आते जाते हैं। दिन में कम से कम आठ से 10 बार लोगों को गेट पर रुकना पड़ता था।

इस समस्या को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ओवरब्रिज बनाने का निर्देश सेतु निगम को दिया। इसके बाद यहां पर वर्ष 2021 में ओवरब्रिज का काम शुरू कराया गया। 26 अगस्त तक निर्माण कार्य पूरा करा लिया गया। ओवरब्रिज की जांच करके सेतु निगम के अधिकारियों ने इसे फाइनल टच दे दिया है। अब इसके लोकार्पण की तैयारी की जा रही है।

सोनौली हाईवे के ओंकार नगर, महुआतार से बालापार रोड पर बने ओवरब्रिज का निरीक्षण मंगलवार को कमिश्नर अनिल ढींगरा ने किया। इस दौरान उन्होंने रेलवे क्रॉसिंग पर सीढ़ियों का निर्माण कराने के निर्देश दिए। ताकि गेट बंद होने पर लोग सुरक्षित ढंग से क्रासिंग को पार कर सकें।

संतकबीरनगर बना फुटबाल विजेता

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के हीरालाल रामनिवास इंटर कॉलेज खलीलाबाद में बस्ती मंडल की सीनियर बालक 19 वर्ष एवं सीनियर बालिका 19 वर्ष की फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में वाकओवर मिल जाने से संतकबीरनगर की बालक व बालिका वर्ग की टीमों को विजेता घोषित कर दिया गया।

दोनों टीमे अब बस्ती मंडल का प्रतिनिधित्व करते हुए 7 से 11 सितंबर तक अलीगढ़ में आयोजित हो रही स्टेट फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेंगी। दोनों टीमें में 6 सितंबर को जनपद मुख्यालय से अलीगढ़ के लिए प्रस्थान करेंगी।

प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला विद्यालय निरीक्षक हरिश्चंद्र नाथ ने किया। उन्होंने बच्चों को अनुशासन और खेल के महत्व को बताया। उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने की औपचारिकता पूरी की। प्रतियोगिता में बस्ती व सिद्धार्थनगर की टीमों को आना था। पर दोनों जिलों की टीमें नहीं आईं। मण्डलीय सीनियर बालक 19 वर्ष एवं सीनियर बालिका 19 वर्ष प्रतियोगिता का विजेता गोल्ड मेडलिस्ट संतकबीरनगर जनपद को घोषित कर दिया।

खिलाड़ियों में बालक वर्ग में नेशनल खिलाड़ी दीपांकर सिंह, आदर्श गुप्ता, पीयूष पाठक, शौर्य कुमार, आफताब खान, अश्वनी पटेल, हिमांशु गुप्ता, कृष्णा गौड़, शिवम कनौजिया, शनि विश्वकर्मा, कृष्ण मौर्य शामिल हैं। बालिका वर्ग खिलाड़ियों में श्रेया सिंह, पूजा, रिया मौर्य, दीप शिखा त्रिपाठी, अंशिका, नैना मोदनवाल, प्रियांशी, रिया यादव, मोनिका यादव, प्रगति सिंह, संजना कनौजिया, अनुराधा, उमरा खान शामिल हैं।

खजनी में देर रात पशु तस्कर ने घर के सामने,युवक को मारी गोली

संवाददाता–गोरखपुर। खजनी थाना क्षेत्र सतुआभार चौराहे पर पशु तस्करों ने युवक को ईंट पत्थर के प्रहार के बाद विरोध में जमे रहे युवक को गोली मार दी,घटना के बाद तुरन्त घायल को जिला अस्पताल भेजा गया वहाँ से डॉक्टरों ने मेडिकल कालेज रेफर कर दिया।

बता दे मामला खजनी थाना क्षेत्र के सतुआभार चौराहे की है ,जहां देर रात लगभग एक से दो बजे के बीच पशु तस्कर पिकअप गाड़ी से प्रेम प्रकाश दुबे के घर गाय लादने के लिए रुके,आहट पाकर धर्मात्मा दुबे पुत्र प्रेम प्रकाश दुबे टार्च जला कर विरोध किया,उसी दौरान तस्कर ईंट–पत्थर चलाने लगे,और अपने को असुरक्षित देख तस्करो ने धर्मात्मा दुबे गोली मार दी,जो पैर में लगी,मौके पर जब गाँव के लोगो की हलचल देख, पशु तस्करों ने पिकप लेकर फरार हो गए ,इधर घायल धरात्मज दुबे को आनन–फानन में जिलाअस्पताल ले गए, वहाँ से मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया,जहां इलाज चल रहा है ,

घायल धरात्मज दुबे के पिता प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया देर रात पशु तस्कर हमारे दरवाजे पर गाय लादने के इरादे से रुके ,तभी मेरा बड़ा पुत्र धरात्मज दुबे मौके पर टार्च उनके मुख पर बार कर विरोध किया तो तस्कर ईंट पत्थर चलाये ,उसके बाद घर पर चढ़ कर बरामदे में गोली मार दिए,हमने 112 पर सूचित कर,उसको मेडिकल कालेज ले गए जहां उसकी की इलाज चल रही है ,पुलिस मौके पर जा कर चली गई ,इधर घटना के बाद गांव और चौराहे पर लोगो में दहशत है ,तस्करों के दुस्साहस से लोग भयभीत हो गए है , पशु तस्करों असलहे से लैस हो कर ईंट पत्थर लेकर घूम रहे है ,घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है ।

डेंगू के तीन मरीज मिले,वायरल फीवर का प्रकोप भी बढ़ा

संवाददाता–महराजगंज। डेंगू, मलेरिया और मच्छरजनित बीमारियों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। जिले में वायरल फीवर का प्रकोप बढ़ गया है। डेंगू के तीन केस अब तक मिल चुके हैं। तैयारी के नाम पर सिर्फ अस्पतालों में डेंगू वार्ड बना दिया गया है। किसी भी अस्पताल में फीवर डेस्क नहीं बनाई गई है। जांच के लिए लोगों को इधर–उधर भटकना पड़ रहा है। बुखार से तप रहे हर व्यक्ति को डेंगू की आशंका सता रही है। जब भी डेंगू के केस कहीं से निकलते हैं तो विभाग की टीम वहां जाकर निरोधात्मक कार्यवाही करके अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर देती है।

बारिश के इस मौसम में मच्छर जनित बीमारियों का प्रकोप बढ़ा है। तीन डेंगू के केस निकल चुके हैं। वायरल बुखार से भी इस समय बेहद पीड़ित हैं। हर घर में लोग बुखार की चपेट में आ रहे हैं। अस्पतालों में भी वायरल बुखार के मरीजों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है।

प्रतिदिन 250 से लेकर 300 तक मरीज वायरल बुखार के अस्पताल पहुंच रहे हैं। बुखार के मरीजों के लिए जिला अस्पताल से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में कोई विशेष इंतजाम नहीं किए गए हैं। जांच के लिए कई–कई बार लोगों को दौड़ना पड़ रहा है। डेंगू के एलाइजा टेस्ट के लिए लोगों को दो से तीन दिन का इंतजार करना पड़ रहा है। बुखार में लोगों को तेजी प्लेटलेस भी घट रहा है। प्लेटलेस की व्यवस्था जिले में नहीं है। इसके लिए लोगों को गोंडा की दौड़ लगानी पड़ रही है।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी रंगीलाल गुप्ता पुत्र श्री राम कुमार गुप्ता ग्राम–नगर बाजार (टेमा) पोस्ट– नगर बाजार थाना नगर बाजार तहसील बस्ती सदर जनपद बस्ती का निवासी है। प्रार्थी का पुत्र अमित गुप्ता परिवार के कहने–सुनने में नहीं है। उस का व्यवहार परिवार के प्रति ठीक नहीं है। आये दिन कलह करता हैं। हम प्रार्थी मेरी पत्नी श्रीमती चन्द्रावती देवी को परेशान करता है। इससे हम प्रार्थी और मेरा परिवार काफी परेशान है। इससे दुःखी होकर मैं अपने पुत्र अमित गुप्ता को अपने चल व अचल सम्पत्ति से 1–8–2024 से बेदखल कर रहा हूं। अपने किसी भी कृत्य, लेन–देन, वाद विवाद आदि के लिये वह स्वंय जिम्मेदार होगा। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

अदालती नोटिस
सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
M.A.C.P.N0 82/2021
अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती
अमित कुमार चौहान
बनाम
अनीता गुप्ता आदि
1. अनीता गुप्ता पत्नी प्रमोद कुमार गुप्ता निवासी म0नं0 53 चौगुरजी पो0 इटावा जनपद इटावा उ0प्र0 (वाहन स्वामी वाहन सं0 UP75M-9187)
2. हरिओम सिंह तोमर पुत्र राकेश सिंह साकिन कीरतपुरा पो0 गोहाड तह0 गोहाड जनपद–भिन्ड (म0प्र0) (वाहन चालक UP75M-9187)
तारीख पेशी 31–08–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 31 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस
सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
M.A.C.P.N0 210/2021
अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती
ओम प्रकाश
बनाम
सुखराम मौर्य
1. सुखराम मौर्य पुत्र लालसा प्रसाद मौर्य ग्राम हरैया पो0 लालगंज जनपद–बस्ती (वाहन स्वामी पिकप न0 UP51T5389)
2. इन्द्रेश यादव पुत्र रामहित यादव ग्राम पिपरपाती मुस्तहकम पो0 परसांवा कुदरहा तहसील व जनपद बस्ती पिन कोड 272301 (चालक पिकअप न0 UP51T5389)
तारीख पेशी 30–08–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस
सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
प्रकीर्ण वाद सं0 198/2023
अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती
श्रीमती गीता देवी
बनाम
जमालुद्दीन
1. जमालुद्दीन पुत्र जलालुद्दीन निवासी गौरा पो0 बखिरा थाना बखिरा जनपद–संतकबीरनगर UP14 W9500)
2. नेशनल ई0 क0 लि0 द्वारा शाखा प्रबन्धक नेशनल ई0 क0 लि0 शाखा बस्ती
3. राजेश कुमार पुत्र बलदेव निवासी ककरहवा लक्ष्मिनपुर पो0 वाल्टरगंज थाना वाल्टरगंज जनपद–बस्ती (वाहन चालक)
तारीख पेशी 31–08–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 31 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस
सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
नं0मु0–136/2024
धारा– 144 उ0प्र0रा0संहिता 2006
अदालत– श्रीमान उपजिलाधिकारी न्यायिक महोदय बस्ती जिला–बस्ती
नंदलाल आदि
बनाम
माधुरी आदि
1. माधुरी श्री0 पत्नी फूलचन्द्र श्री0 साकिन पियारेपुर हालमुकाम न्यू कालोनी बैरिहवां तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 2. गंगा प्रसाद पुत्र परमेश्वर साकिन सिकन्दरपुर तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 3. सहजद अहमद पुत्र मुहम्मद रऊफ उर्फ पुल्ला 4. अरसद हुसैन पुत्र मुहम्मद रऊफ उर्फ पुल्ला 5. श्रीमती मजीदुनिशा पत्नी रऊफ उर्फ पुल्ला निवासीगण मौजा गाायघाट तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 6. ग्राम सभा गायघाट जरिए ग्राम पंचायत गायघाट तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 7. उत्तर प्रदेश सरकार जरिऐ कलेक्टर महोदय बस्ती
तारीख पेशी 25–09–2024
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 25 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 03 माह 08 सन 2024 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com